RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

# सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजर आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं.पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-9 अंक: 242 ता. 07 मार्च 2021, रविवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, उधना सूरत ( गुजरात ) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

## तेज हुई टीकाकरण की रफ्तार, एक दिन में लगाई गई रिकॉर्ड 13.88 लाख डोज

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के टीका लगवाने और निजी अस्पतालों को शामिल करने के बाद कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। गुरुवार को रिकॉर्ड लगभग 14 लाख टीके लगाए गए। इसमें 60 साल से ज्यादा उम्र के लाभार्थियों की संख्या सबसे ज्यादा रही। अब तक कोरोना वैक्सीन की 1.8 करोड़ डोज दी जा चुकी है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी।

इन लोगों को लगा टीका

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक 1.8 करोड़ डोज लेने वाले लाभार्थियों में स्वास्थ्यकर्मी, फ्रंटलाइन वर्कर्स, 60 साल से अधिक उम्र के लोग और गंभीर रोग से ग्रसित 45 साल से ज्यादा आयु के व्यक्ति शामिल हैं। शुक्रवार को केंद्रीय मंत्री प्रकाश जावडेकर ने भी टीका लगवाया। मंत्रालय ने बताया कि अब तक 68,53,083 स्वास्थ्यकर्मियों को पहली और इनमें से 31,41,371 को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज दी जा चुकी है। इसी तरह फ्रंटलाइन वर्कर्स में पहली डोज लेने वाले 60,90,931 और इनमें से दूसरी डोज लेने वाले 67,297 लाभार्थी शामिल हैं। एक मार्च के बाद से गंभीर रोगों से ग्रस्त 45 साल से ज्यादा उम्र के 2,35,901 और 60 साल से अधिक आयु के 16,16,920 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गई है। एक अधिकारी ने बताया कि कोरोना वायरस के खिलाफ टीकाकरण अभियान के 48वें दिन गुरुवार को रिकॉर्ड 13,88,170 डोज दी गई। लाभार्थियों को एक दिन में इतनी बड़ी संख्या में पहली बार कोरोना की खुराक की गई है। इनमें 10,56,808 लाभार्थियों को पहली और 3,31,362 लाभार्थियों को दूसरी डोज दी गई। 10,56,808 लाभार्थियों में सबसे ज्यादा संख्या 60 साल से ज्यादा उम्र के लोगों की 6,15,903 रही। जबकि, गंभीर रोगों से ग्रस्त 45 से ज्यादा उम्र के लाभार्थियों की संख्या 92,109 थीं।

# महाराष्ट्र में लॉकडाउन के लिए मजबूर होंगे उद्धव ठाकरे? सिर्फ 6 दिन में मिले 50,000 से ज्यादा केस

**नई दिल्ली।** महाराष्ट्र में कोरोना के मामले लगातार बढ़ रहे हैं और रुकने का नाम ही नहीं ले रहे हैं। कोरोना के कहर ने प्रशासन और आम लोगों की चिंता बढ़ा दी है। सिर्फ 6 दिनों के भीतर राज्य में 50 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ऐसे में लोगों को डर है कि राज्य में दोबारा लॉकडाउन लगाया जा सकता है। 28 फरवरी को मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन को लेकर कहा था कि वह इसे थोपना नहीं चाहते, मजबूरी भी कोई चीज है। जिसके बाद से महाराष्ट्र में लगातार मामलों में उछाल देखा जा रहा है। पिछले हफ्ते में 1 मार्च को छोड़कर राज्य में औसतन 7 हजार मामले दर्ज किए गए हैं। 1 मार्च को 6,397 नए मामले दर्ज किए गए थे। कुल मिलाकर, 28 फरवरी और 5 मार्च के बीच, महाराष्ट्र में 51,612 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं। 28 फरवरी को, महाराष्ट्र में दैनिक संक्रमण की संख्या 8,283 थी। एक मार्च को संख्या कम होकर 6,397 हुई और बाद में 2 मार्च को फिर 7,863 पर पहुंच गई। 3 मार्च को कुल 9,855 नए मामले सामने आए और 4 मार्च को यह संख्या 8,998 थी। 5 मार्च को, राज्य में 17 अक्टूबर, 2020 के बाद से सबसे ज्यादा दैनिक मामले आने की सूचना दी गई, जब राज्य में 10,259 मामलों का उछाल दर्ज किया गया था।

मुंबई भी इन बढ़ते मामलों में लगातार भागीदार रही है, यहँ दैनिक रूप से शहर में हर रोज कोरोना के 900 मामले देखने को मिल रहे हैं।

**जिलों में लॉकडाउन**

अमरावती जैसे जिलों में लॉकडाउन बढ़ाने को लेकर जल्द ही फैसला लिया जाएगा। पिछले लॉकडाउन के अधिकतर प्रतिबंध 8 फरवरी तक थे, जिले में स्कूल और शैक्षिक संस्थान अभी बंद हैं। अमरावली उन जिलों में से हैं जहां लगातार बढ़ते मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

**8 से 15 दिनों की डेडलाइन**

21 फरवरी को एक प्रेस मीटिंग को संबोधित करते हुए, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने कहा था कि आठ से 15 दिनों में स्थिति की समीक्षा की जाएगी। तब तक, राज्य में किसी भी सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक, राजनीतिक सभा को प्रतिबंधित करने के अलावा कोई राज्यव्यापी प्रतिबंध नहीं लगाया गया था।

### लॉकडाउन को लेकर क्या कहते हैं मंत्री?

● नेशनल लॉकडाउन के एक साल बाद लोगों के कामकाज और प्रतिष्ठानों पर प्रतिबंध लगाना संगत नहीं लगता है। मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने राज्य में एक और लॉकडाउन करने की अनिच्छा व्यक्त की थी, उन्होंने 28 फरवरी को कहा कि 'मैं इसे थोपना नहीं चाहता, लेकिन 'मजबूरी' भी कोई चीज है।' इसके बाद से महाराष्ट्र में लगातार मामले बढ़ रहे हैं।

महाराष्ट्र के मंत्री विजय वडेट्टीवार ने पिछले हफ्ते कहा था कि राज्य सरकार मुंबई लोकल टाइमिंग पर फिर से प्रतिबंधित लगाने पर विचार करेगी, मुंबई लोकल की सेवाओं को 1 फरवरी को जनता के लिए खोल दिया गया था।

बृहन्मुंबई नगर निगम के अतिरिक्त आयुक्त सुरेश काकानी ने कहा कि नागरिक निकाय मुंबई के लिए कोई अतिरिक्त प्रतिबंध लगाने की योजना नहीं बना रहा है क्योंकि यह अभी परीक्षण और निगरानी बढ़ाने पर निर्भर है।

● सिर्फ 6 दिनों के भीतर राज्य में 50 हजार से ज्यादा मामले दर्ज किए जा चुके हैं। ऐसे में लोगों को डर है कि राज्य में दोबारा लॉकडाउन लगाया जा सकता है। 28 फरवरी को मुख्यमंत्री ने लॉकडाउन को लेकर कहा था कि वह इसे थोपना नहीं चाहते, मजबूरी भी कोई चीज है। जिसके बाद से महाराष्ट्र में लगातार मामलों में उछाल देखा जा रहा है। पिछले हफ्ते में 1 मार्च को छोड़कर राज्य में औसतन 7 हजार मामले दर्ज किए गए हैं। 1 मार्च को 6,397 नए मामले दर्ज किए गए थे। कुल मिलाकर, 28 फरवरी और 5 मार्च के बीच, महाराष्ट्र में 51,612 नए कोरोना मामले दर्ज किए गए हैं। 28 फरवरी को, महाराष्ट्र में दैनिक संक्रमण की संख्या 8,283 थी।

## दहेज प्रताड़ना मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी- बेरहम आदमी रहम के लायक नहीं

**नई दिल्ली।** चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया एस ए बोबड़े की अध्यक्षता वाली सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने शुक्रवार को दहेज प्रताड़ना के आरोपी पति की अग्रिम जमानत यह कहते हुए खारिज कर दी कि बेरहम आदमी रहम के लायक नहीं होते। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि इस केस में पति का केस मजबूत था और उम्मीद की जा रही थी कि उन्हें जमानत मिल जाएगी। हालांकि, सीजेआई की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले में पूरी तरह से महिला के आरोपों का समर्थन किया।

खबर के मुताबिक, पति ने दावा किया था कि उसकी पत्नी ने उससे अलग रहते हुए किसी अन्य आदमी को अपनी नग्न तस्वीरें भेजी थीं। इसको लेकर की गई पुलिस शिकायत के बाद जवाब में पत्नी ने उसपर दहेज प्रताड़ना के आरोप लगाए थे। पति के वकील ने कहा कि महिला जब अपने पति से अलग रह रही थी तो उस दौरान उसने दूसरे शख्स के साथ सैकड़ों नग्न तस्वीरें भेजीं। इसके बाद उसने दहेज प्रताड़ना का भी आरोप लगाया जबकि दहेज के तौर पर एक भी रुपया न तो लिया गया था और न ही मांगा गया था। वकील ने कहा कि महिला का आरोप एक तरफ है। सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने पति की अग्रिम जमानत की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी, 'अगर महिला ने किसी और के साथ नग्न तस्वीरें शेयर की तो आप उन्हें तलाक दे सकते हैं लेकिन

आप उनके साथ क्रूर नहीं हो सकते।' कोर्ट ने यह भी कहा कि एफआईआर में आरोप हमेशा एकतरफा ही होते हैं। ऐसी कोई एफआईआर नहीं होती जिसे आरोपी और शिकायतकर्ता साथ में दर्ज करवाएं। मामले में अब पति को गिरफ्तार किया जाएगा। हालांकि राजस्थान कोर्ट से आरोपी शख्स के माता-पिता को अग्रिम जमानत मिल गई है।

## पत्नी-बच्चे ही नहीं, माता-पिता भी बेटे की कमाई के हिस्सेदार - कोर्ट

**नई दिल्ली।** गुजाराभत्ते के एक मामले में अदालत ने महत्वपूर्ण फैसला दिया है। अदालत ने कहा कि किसी भी व्यक्ति की कमाई पर सिर्फ उसकी पत्नी या बच्चों का हक नहीं होता है, बल्कि बुजुर्ग माता-पिता भी उसकी आय के हिस्सेदार होते हैं। इस तरह अदालत ने साफ किया कि पत्नी व बेटे के बराबर ही किसी भी व्यक्ति पर उसके माता-पिता का अधिकार होता है। तीस हजारी स्थित प्रिंसिपल जिला एवं सत्र न्यायाधीश गिरीष कथपालिया की अदालत ने इस मामले में वादी महिला की याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रतिवादी पति से आय संबंधी हलफनामा पेश करने को कहा था। महिला का कहना था कि उसके पति की मासिक आय 50 हजार रुपये से ज्यादा है। जबकि उसे व उसके बच्चे को महज दस हजार रुपये गुजाराभत्ता दिया जा रहा है। पति द्वारा पेश हलफनामे में कहा गया कि उसकी मासिक आय 37 हजार रुपये है और इसी रकम में से पत्नी व दो साल के बेटे की परवरिश के अलावा खुद का खर्च और बुजुर्ग माता-पिता की गुजर-बसर भी करनी होती है।

**अदालत ने सुरक्षा अधिकारी से तलब की रिपोर्ट**-अदालत ने पति के हलफनामे के बाबत सुरक्षा अधिकारी को रिपोर्ट पेश करने को कहा था। अधिकारी ने रिपोर्ट में बताया कि प्रतिवादी ने सही तथ्य पेश किए हैं। उसका आयकर खाते के मुताबिक, उसकी मासिक आय 37 हजार रुपये ही है। साथ ही रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि माता-पिता के जीवन-यापन के अलावा उनकी बीमारी का खर्च भी प्रतिवादी ही उठाता है। अदालत ने इस तथ्य को गंभीरता से लिया। हालांकि पत्नी का कहना था कि पति की ज्यादा जिम्मेदारी उसके व उसके बच्चे के प्रति ही बनती है। इसलिए उसका गुजाराभत्ता बढ़वाया जाए।

**अदालत ने छह हिस्सों में बांटी तनख्वाह**-अदालत ने इस मामले का निपटारा करते हुए प्रतिवादी पति की तनख्वाह को छह हिस्सों में बांटा। दो हिस्से प्रतिवादी को दिए। इसके अलावा पत्नी, बेटे, माता व पिता को एक-एक हिस्सा दिया। अदालत ने इस मामले में पत्नी की पति की आय के हिसाब से गुजाराभत्ता बढ़ाने की याचिका का निपटारा करते हुए यह निर्णय किया है। अदालत ने कहा कि पत्नी व बेटे का हिस्सा 12 हजार पांच सौ रुपये बैठता है। इसलिए पति को अब प्रतिमाह की दस तारीख को अपनी पत्नी व बेटे को गुजाराभत्ता रकम का भुगतान करना है।

**फैमिली केक की तरह होती है परिवार की आय**

अदालत ने अपने निर्णय को एक उदाहरण की तरह पेश करते हुए कहा कि परिवार के कमाने वाले सदस्य की मासिक आय एक फैमिली केक की तरह होती है। जिसे बराबर हिस्से में बांटकर खाया जाता है। इसी तरह आय का भी बंटवारा होता है।

## भगोड़े कारोबारी विजय माल्या के प्रत्यर्पण पर ब्रिटेन, कोई शॉर्टकट रास्ता नहीं...!

**नई दिल्ली।** विजय माल्या को भारत कब लाया जाएगा? इस सवाल का जवाब अभी तक नहीं मिल पाया है। ब्रिटेन ने कहा कि भ्रष्टाचार के मामले में भारत में वांछित भगोड़े कारोबारी विजय माल्या के प्रत्यर्पण में पूरी कानूनी प्रक्रिया का पालन किया जाएगा। इसमें कोई शॉर्टकट रास्ता नहीं अपनाया जाएगा। भारत प्रत्यर्पण के खिलाफ माल्या ब्रिटेन के सुप्रीम कोर्ट में पिछले साल मई में केस हार चुका है। उसकी मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी भारत को तलाश है। यह पूछे जाने पर माल्या को कब प्रत्यर्पित किया जाएगा और क्या इस मामले में अभी कोई कानूनी मसला लंबित है, भारत में ब्रिटेन के नए उच्चायुक्त एलेक्स एलिस ने किसी केस का नाम लिए बिना कहा कि वह भ्रष्टाचार के मामलों में आरोपितों को भारत लाने की तात्कालिकता, महत्व और इच्छा को समझते हैं। उन्होंने कहा प्रत्यर्पण का मामला प्रशासनिक के साथ ही कानूनी भी है और यह अदालत में है। माल्या मामले में प्रशासन की तरफ से जो कुछ भी किया जाना था, उसे गृह मंत्री ने कर दिया है। अब यह मामला न्यायिक प्रक्रिया का हिस्सा है। इसमें अब जो भी करना है वह जजों को ही करना है। गौरतलब है कि विजय माल्या जमानत पर ब्रिटेन में हैं। माल्?या पर 17 भारतीय बैंकों का 9,000 करोड़ रुपये से ज्यादा का बकाया है। माल्य 2 मार्च, 2016 को भारत छोड़कर ब्रिटेन भाग गया था। भारतीय एजेंसियों ने ब्रिटेन की अदालत से माल्या के प्रत्यर्पण की अपील की थी। लंबी लड़ाई के बद ब्रिटेन की अदालत ने 14 मई को माल्या के भारत प्रत्यर्पण की अपील पर मुहर लगा दी थी। हालांकि, कानून दांवपेच के चलते उसे अब तक भारत नहीं लाया जा सकता है।

## बिहार में पटना का तापमान पहुंचा 33 डिग्री तक, 15 मार्च तक राहत के नहीं आसार

**पटना।** बिहार में एक हफ्ते तक राहत के बाद गर्मी फिर से बढ़ने लगी है। पिछले 24 घंटे में राज्य के लगभग सभी जिलों के पारे में एक से डेढ़ डिग्री तक की बढ़ोतरी हुई है। अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी का असर न्यूनतम पारे पर भी पड़ा है। पटना में शुक्रवार को इस सीजन का सबसे गर्म दिन रहा और अधिकतम पारा 33.8 डिग्री दर्ज किया गया।

राज्य में सबसे अधिक अधिकतम तापमान पटना में ही दर्ज किया गया। गर्मी की वजह से दोपहर में सड़कों पर आम दिनों से कम लोग दिखे। पिछले 24 घंटों में ढाई डिग्री से अधिक की बढ़ोतरी का असर

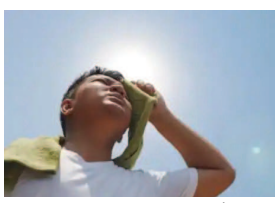

राजधानी के बाजारों पर भी दिखा है। गया, भागलपुर और पूर्णिया में भी पारे में आंशिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। लगातार शुष्क पछुआ हवा बढ़ने से वातावरण में नमी की कमी होती जा रही है और आर्द्रता का प्रतिशत नीचे आ रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार 15 मार्च तक 32 से 34 डिग्री के बीच पारा रहने का अनुमान है।

**मार्च से मई तक प्री मानसून सीजन, कालबैशाखी का रहेगा प्रभाव**

मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार मार्च से मई तक सूबे में प्री मानसून सीजन माना जाता है। इस दौरान सूबे में हर साल कालबैशाखी प्रभावी हो जाता है। इसमें तेज मेघ गर्जन के साथ आकाशीय बिजली गिरने की घटनाएं बढ़ जाती हैं। राज्य में हर साल इस मौसम में ओला वृष्टि भी होती है। मौसम विभाग की ओर से ऐसे में पूर्वानुमान को बेहतर करने के उद्देश्य से अभी से तैयारी शुरू हो गई है। मौसम पूर्वानुमान में बताया गया है कि अगले कुछ दिनों में इसकी स्थिति आ सकती है। धूल भरी आंधी का प्रभाव राज्य के कई हिस्सों में दिखेगा। सात मार्च से सूबे में पूर्वा के बहने के संकेत मिल रहे हैं। इसके प्रभाव से न्यूनतम पारा आंशिक रूप से ऊपर चढ़ेगा, जबकि राज्य के दक्षिणी भाग में कुछ जगहों पर मेघ गर्जन की स्थिति बन सकती है।

ऐसा रहा प्रमुख शहरों का पारा

| शहर | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| पटना | 33.8 | 15 |
| गया | 32 | 11.7 |
| भागलपुर | 32.5 | 16.5 |
| पूर्णिया | 29 | 14.2 |

# मुंगेर में जमीन विवाद खूनी संघर्ष में बदला

**मुंगेर।** बिहार के मुंगेर जिले में 12 कट्ठा 3 धूर जमीन के लिए दो पक्षों में जारी अदावत खूनी संघर्ष में बदल गई। और तीन लोगों को अपने प्राण से हाथ धोना पड़ा। इस खूनी संघर्ष की शुरुआत शुक्रवार की दोपहर हो गई थी जब दोनों पक्ष के बीच मारपीट के बाद तनाव का माहौल बन गया। इसके बाद रात आठ बजे दोनों पक्ष के बीच अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। घटना जिले के कासिम बाजार थाना क्षेत्र के मोकबिरा चांय टोला की है। दोनों पक्षों के बीच कई राउंड फायरिंग हुई। इसमें दोनों पक्षों के तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक पक्ष से जयजय राम साव व उसका पुत्र कुंदन साव और दूसरे पक्ष से सागर कुमार महतो शामिल है। करीब दो घंटे तक गोलीबारी के बाद चार थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। इस मामले में पुलिस ने एक पक्ष से आर्मी जवान चंदन साव को गिरफ्तार कर लिया है। घटना के बाद विराट टोला में दोनों पक्षों के बीच तनाव की स्थिति बनी हुई है, जबकि ग्रामीण दहशत में हैं।

**जमीन को लेकर कई वर्षों से चल रहा विवाद**

जानकारी के अनुसार 12 वर्ष पूर्व ओम प्रकाश सहनी ने 12 कट्ठा 3 धूर जमीन खरीदी थी। उस जमीन पर कब्जा को लेकर रामा बिंद ने ओमप्रकाश से पांच लाख रुपये रंगदारी मांगी थी। इसको लेकर दोनों पक्षों के बीच तनातनी चल रही थी। इसी विवाद ने शुक्रवार को हिंसक रूप ले लिया। रात आठ बजे दोनों पक्ष के बीच अचानक गोलीबारी शुरू हो गई। इसमें 26 वर्षीय कुंदन साह गोली लगने के कारण गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजनों ने इलाज के लिए उसे सदर अस्पताल लाया वहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। जबकि गोलीबारी के दौरान घटनास्थल पर ही 18 वर्षीय सागर बिंद और 55 वर्षीय जयजय राम साह की मौत हो गई। सदर अस्पताल में रात 11:30 बजे तक दो लोगों का ही शव पहुंचा था। जिसमें सागर बिंद और कुंदन साव का शव शामिल है। जबकि जयजय राम साव का शव देर रात तक अस्पताल नहीं पहुंचाया। इस बारे में मुंगेर के एसपी मानवजीत सिंह ढिल्लो ने बताया कि जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच गोलीबारी के दौरान तीन लोगों की मौत हुई है। एक पक्ष से जयजय राम साह व उनके पुत्र कुंदन साह और दूसरे पक्ष से सागर कुमार महतो की मौत हुई है। पुलिस मामले की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर पहुंच चुकी है। घटना को लेकर पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। इस मामले में एक आर्मी जवान को गिरफ्तार किया गया है। इसके साथ ही अन्य लोगों की पहचान की जा रही है।

### दो घंटे फायरिंग और तीन की हत्या

## सार समाचार

### हिमाचल कांग्रेस ने राज्य के बजट को दिशाहीन करार दिया, कहा- सरकार बढ़ती महंगाई से नहीं दिला पाई निजात

शिमला। हिमाचल प्रदेश कांग्रेस ने शनिवार को मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा पेश किये गए राज्य के बजट को दिशाहीन करार देते हुए कहा कि सरकार लोगों को बढ़ती महंगाई से निजात दिलाने में नाकाम रही है। नेता प्रतिपक्ष मुकेश अग्निहोत्री ने कहा कि विधानसभा में पेश किया गया बजट अधूरा दस्तावेज है, जिसमें राज्य की जनता से झूठे वादे किये गए हैं। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने विधानसभा में जो बजट घाटा पेश किया है, उसमें राज्य के कुल कर्ज और वित्तपोषण के बीच अंतराल का कोई जिक्र नहीं हैं। ठाकुर ने शनिवार को विधानसभा में चौथी बार बजट पेश किया। उन्होंने कहा कि वित्त वर्ष 2021-22 के लिये 50,192 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है, जो कोविड-19 संकट के बावजूद पिछले बजट से 1,061 करोड़ रुपये अधिक है। अग्निहोत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री भले ही कर-रहित बजट पेश करने का दावा कर रहे हों लेकिन इस बात की संभावना भी है कि सरकार वित्तीय घाटे से निपटने के लिये साल के बीच में कर लगा दे। उन्होंने कहा, राज्य की विकास दर नकारात्मक रही है लेकिन मुख्यमंत्री ने पुरानी योजनाओं को नए कलेवर में पेश करके जनता को लुभाने का प्रयास किया है।बजट दिशाहीन और अधूरा दस्तावेज है।

### केंद्र सरकार पर बरसे दिग्विजय सिंह, बोले- भाजपा ईवीएम पर निर्भर है

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने शनिवार को कहा कि नए कृषि कानूनों और ईंधन की बढ़ती कीमतों पर जनता की नाराजगी को लेकर केन्द्र सरकार परेशान नहीं है क्योंकि भगवा पार्टी को चुनाव जीतने के लिये ईवीएम पर भरोसा है। केन्द्र के नये कृषि कानूनों के खिलाफ किसान आंदोलन के 100 दिन पूरे होने पर दिग्विजय अपनी बाजू पर काली पट्टी बांध कर शाजापुर जिले के जयहेड़ा में संवाददाता सम्मेलन कर रहे थे। उन्होंने कहा, '' नवंबर माह में रसोई गैस सिलेंडर की कीमत 594 रुपये थी, जो अब बढ़कर 890 रुपये हो गयी है। केन्द्र सरकार की उज्जवला योजना के 80 प्रतिशत से अधिक लाभार्थी इसे खरीदने में असमर्थ हैं।'' मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा के शासन में पेट्रोल और डीजल पर केन्द्रीय उत्पाद शुक्ल 10 गुना तक बढ़ गया है। इससे महंगाई में वृद्धि हुई है और लोगों को बहुत तकलीफ हो रही है। उन्होंने कहा कि लोगों के बीच नाराजगी देखकर नेता चिंतित हो जाते हैं, लेकिन भाजपा इससे प्रभावित नहीं है क्योंकि वह ईवीएम पर निर्भर है।

### गृहमंत्री अमित शाह रविवार को तमिलनाडु और केरल के राजनीतिक दौरे पर जाएंगे

नयी दिल्ली। भाजपा के वरिष्ठ नेता और गृह मंत्री अमित शाह रविवार को तमिलनाडु और केरल के एकदिवसीय राजनीतिक दौरे पर जाएंगे, जहां वह घर-घर प्रचार अभियान की शुरुआत करेंगे। पार्टी ने बयान जारी कर कहा कि शाह तिरूवनंतपुरम में भाजपा की ''केरल विजय यात्रा'' के समापन समारोह को भी संबोधित करेंगे। इसके अलावा वह दोनों राज्यों में कई कार्यक्रमों में हिस्सा लेंगे। कन्याकुमारी के सुचिंद्रम में ''वेटरी कोडी एनाधी'' (चुनावी जीत के लिए जनसंपर्क कार्यक्रम) की शुरुआत करने के अलावा शाह वहां एक रोडशो भी करेंगे, जहां कांग्रेस के निवर्तमान सांसद की मौत के कारण खाली हुई सीट पर भाजपा लोकसभा उपचुनाव भी लड़ रही है। भाजपा सत्तारूढ़ अन्नाद्रमुक के साथ मिलकर राज्य विधानसभा चुनाव लड़ रही है। केरल, तमिलनाडु और पुडुचेरी में छह अप्रैल को एक चरण में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं।

### जेल में बंद कार्यकर्ता अखिल गोगोई असम के शिवसागर से लड़ेंगे चुनाव

गुवाहाटी। जेल में बंद कार्यकर्ता अखिल गोगोई असम विधानसभा चुनाव में अपनी नवगठित पार्टी राइजर दल के उम्मीदवार के तौर पर शिवसागर सीट से चुनाव लड़ेंगे। विधानसभा चुनाव के पहले दो चरणों के लिए अपने उम्मीदवारों की सूची जारी करते हुए राइजर दल के कार्यकारी अध्यक्ष भास्को डी सैकिया ने कहा कि पार्टी अध्यक्ष गोगोई शिवसागर सीट से चुनाव लड़ेंगे। पहले चरण में राइजर दल 12 सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। हालांकि, एक सीट पर उसकी ओर से अभी उम्मीदवार के नाम का ऐलान करना बाकी है। वहीं, दूसरे चरण में छह सीटों पर किस्मत आजमाएगी।

### अब महाराष्ट्र से एमपी आने वाले लोगों के लिए जरूरी होगा कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट

भोपाल। मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए प्रदेश सरकार पड़ोसी राज्य महाराष्ट्र से आने वाले लोगों के लिये कोविड-19 निगेटिव रिपोर्ट अनिवार्य करने जा रही है। प्रदेश सरकार द्वारा जारी किये गये आधिकारिक बयान में बताया गया कि शुक्रवार को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मंत्रालय में कोविड-19 की समीक्षा बैठक के दौरान इस संबंध में निर्देश दिये हैं। समीक्षा बैठक में चौहान ने कहा, '' भोपाल, इंदौर, जबलपुर, बैतूल, छिंदवाड़ा, उज्जैन और महाराष्ट्र से लगे जिलों में कोरोना से प्रभावित प्रकरणों की संख्या बढ़ रही है।

# अदालतों में मामलों के त्वरित निपटारे के लिए कर्मचारियों के प्रशिक्षण की आवश्यकता : राष्ट्रपति कोविंद

**जबलपुर। (एजेंसी)।**

राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने मुकदमों के त्वरित निपटारे के लिए जिला अदालतों के न्यायाधीशों के साथ-साथ अर्द्ध-न्यायिक कर्मचारियों को भी प्रशिक्षण प्रदान करने की जरूरत पर शनिवार को जोर दिया। राष्ट्रपति ने यहां अखिल भारतीय राज्य न्यायिक अकादमियों के निदेशकों के दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा, ''अब जरूरत है कि देश की अदालतों, विशेष रूप से जिला अदालतों में लंबित मुकदमों का शीघ्रता से निस्तारण करने के लिए न्यायाधीशों के साथ-साथ अन्य न्यायिक एवं अर्ध-न्यायिक अधिकारियों के प्रशिक्षण का दायरा बढ़ाया जाए।''

उन्होंने कहा, ''इनके बीच, ज्ञान एवं सूचना के आदान-प्रदान के लिए ऐसे सम्मेलनों के अलावा, कोई अन्य स्थायी मंच स्थापित किया जा सकता है। इससे, एक ओर जहां मुकदमों के निस्तारण में तेजी आ सकती है, वहीं न्यायिक प्रशासन से जुड़ी प्रक्रियाओं में अखिल भारतीय परिदृश्य का भी विकास हो सकता है।'' सम्मेलन का आयोजन मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय और मध्य प्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी (एमपीएसजेए) द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। कोविंद ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान ऑनलाइन प्रशिक्षण कार्यक्रमों के संचालन में उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग के लिए एमपीएसजेए के प्रयासों की भी सराहना की। राष्ट्रपति ने न्यायिक प्रणाली में तकनीक के उपयोग में वृद्धि का भी स्वागत करते हुए कहा कि देश में 18,000 अदालतों का कंप्यूटरीकरण पूरा हो चुका है।

उन्होंने कहा कि तकनीक के उपयोग से लॉकडाउन की अवधि में जनवरी 2021 तक पूरे देश में लगभग 76 लाख मामलों की सुनवाई वीडियो कांफ्रेंस के जरिए अदालतों में की गई।'' कोविंद ने कहा, ''अब ई-अदालत, वीडियो कॉन्फ्रेंस, ई-कार्यवाही, ई-फाइलिंग और ई-सेवा केन्द्रों की सहायता से जहां न्याय-प्रशासन की सुगमता बढ़ी है, वहीं कागज के इस्तेमाल में कमी आने से प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण संभव हुआ है।''

उन्होंने कहा, '' कुछ उच्च न्यायालय भी स्थानीय में अदालती फैसलों का अनुवाद कराने लगे हैं। मैं इस प्रयास से जुड़े सभी लोगों को हार्दिक बधाई देता हूं। लेकिन अब मेरी अपेक्षाएं कुछ और बढ़ गई हैं। मैं चाहता हूं कि सभी उच्च न्यायालय, अपने-अपने प्रदेश की अधिकृत में, जन-जीवन के महत्वपूर्ण पक्षों से जुड़े निर्णयों का प्रमाणित अनुवाद, उच्चतम न्यायलय की तरह एक ही समय पर उपलब्ध व प्रकाशित कराएं। राष्ट्रपति ने उनके सुझाव पर शीर्ष अदालत द्वारा इस दिशा में कार्य करते हुए न्यायालय के निर्णयों का अनुवाद नौ भारतीय भाषाओं में उपलब्ध कराने की प्रशंसा की। राष्ट्रपति शनिवार से मध्य प्रदेश के दो दिवसीय दौरे पर हैं।

# योगी आदित्यनाथ ने रामायण की विभिन्न घटनाओं का किया जिक्र, बोले- इसमें विज्ञान और आध्यात्म का समन्वय है

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामायण की विभिन्न घटनाओं का जिक्र करते हुए शनिवार को कहा कि इस महाकाव्य में विज्ञान और आध्यात्म का समन्वय है। मुख्यमंत्री शनिवार को यहां संत



गाडगे सभागार में रामायण विश्व महाकोश (ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ द रामायण) की 'कर्टेन रेजर' पुस्तक के विमोचन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस कार्यक्रम का आयोजन प्रदेश के संस्कृति विभाग ने किया था। उन्होंने कहा,'' यह पुस्तक हमें विज्ञान और आध्यात्म के अनछुए पहलुओं से परिचित कराएगा।'' कार्यक्रम के दौरान उन्होंने 'रामायण विश्व महाकोश' को ई-बुक के रूप में भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अयोध्या शोध संस्थान द्वारा प्रकाशित अन्य पुस्तकों का भी विमोचन किया। कार्यक्रम के दौरान रामायण विश्व महाकोश पर आधारित एक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान श्रीराम की संस्कृति पहली संस्कृति है, जिसने वैश्विक मंच पर अपना स्थान बनाया। इसके हजारों वर्ष बाद भगवान बुद्ध की संस्कृति वैश्विक मंच पर स्थापित हुई।

# किसान आंदोलन के 100 दिन पूरे, प्रदर्शनकारी किसानों ने एक्सप्रेस-वे पर आवागमन रोका

**चंडीगढ़। (एजेंसी)।**

केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे किसानों ने दिल्ली की सीमा पर अपने आंदोलन के 100 दिन पूरे होने पर शनिवार को हरियाणा में छह लेन वाले कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे पर कुछ स्थानों पर यातायात अवरुद्ध कर दिया। किसानों का प्रदर्शन सुबह 11 बजे शुरू हुआ, जो अपराह्न चार बजे तक जारी रहा। काले झंडे थामे तथा बांह पर काली पट्टी बांधे किसानों और काला दुपट्टा पहने महिला प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांगे नहीं माने जाने को लेकर भाजपा नीत सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। सोनीपत तथा झज्जर और कुछ अन्य स्थानों पर प्रदर्शनकारी अपने ट्रैक्टर ट्रॉली तथा अन्य वाहन लेकर आए और उन्हें केएमपी एक्सप्रेसवे के कुछ हिस्सों में बीच में खड़ा कर दिया।

हरियाणा पुलिस ने यातायात का मार्ग बदलने के लिये प्रबंध कर रखा था। पर्याप्त संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया था। संयुक्त किसान मोर्चा ने एक्सप्रेस-वे पर यातायात अवरूद्ध करने का आह्वान किया था। कुंडली-मानेसर-पलवल (केएमपी) एक्सप्रेस-वे 136 किलोमीटर लंबा है। मानेसर-पलवल खंड 53 किलोमीटर लंबा है और इसका उद्घाटन 2016 में केन्द्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने किया था, वहीं 83 किलोमीटर लंबे कुंडली-मानेसर खंड का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 2018 में किया था। भारतीय किसान यूनियन (दाकुंडा) के महासचिव जगमोहन सिंह ने कहा, '' हम केएमपी एक्सप्रेस-वे पर यातायात अवरुद्ध करेंगे लेकिन आपात सेवा में लगे वाहनों को जाने दिया जाएगा।''

सोनीपत में एक प्रदर्शनकारी ने कहा, '' तीनों कृषि कानूनों को वापस लिये जाने तक हमारा आंदोलन जारी रहेगा। हम पीछे नहीं हटेंगे।'' किसानों ने पलवल जिले में भी प्रदर्शन किया। केएमपी एक्सप्रेस-वे दिल्ली की हमेशा व्यस्त रहने वाली सड़कों पर भीड़ को कम करने खास तौर पर राष्ट्रीय राजधानी में आने वालों ट्रकों की संख्या को कम करने के लिए बनाया गया था। इससे प्रदूषण कम करने में भी मदद मिली। गौरतलब है कि हजारों की संख्या में किसान केन्द्र के तीन नए कृषि कानूनों के विरोध में पिछले वर्ष नवंबर से दिल्ली की सीमाओं पर प्रदर्शन कर रहे हैं। किसान कानून वापस लेने की मांग पर अड़े हुए हैं। प्रदर्शन कर रहे किसानों की आशंका है कि ये कानून न्यूनतम समर्थन मूल्य की व्यवस्था को समाप्त कर देंगे और उन्हें बड़े कॉर्पोरेट घरानों के 'रहमोकरम' पर छोड़ देंगे। हालांकि, सरकार का कहना है कि नए कानून किसानों के लिए बेहतर अवसर लाएंगे और इससे कृषि के क्षेत्र में नयी प्रौद्योगिकी भी आएगी।

# बंगाल चुनाव : भाजपा ने 57 उम्मीदवारों के नाम का किया ऐलान, नंदीग्राम से शुभेंदु अधिकारी लड़ेंगे चुनाव

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

भारतीय जनता पार्टी ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए शनिवार को 57 प्रत्याशियों की पहली सूची जारी की, जिसके अनुसार शुभेंदु अधिकारी नंदीग्राम से चुनाव लड़ेंगे। गौरतलब है कि इस सीट पर तृणमूल कांग्रेस की अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने पहले ही अपनी उम्मीदवारी घोषित कर दी है। पार्टी महासचिव अरुण सिंह ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी अशोक डिंडा और पूर्व आईपीएस अधिकारी भारती घोष भी भाजपा की ओर से चुनाव लड़ने वालों में शामिल हैं।



उन्होंने कहा कि पार्टी ने एक सीट अपने सहयोगी दल एजेएसयू को दी है। इसके साथ ही पार्टी ने 27 मार्च से 29 अप्रैल के बीच आठ चरणों में होने वाले चुनाव के पहले दो चरणों के लिए 60 में से तीन को छोड़कर बाकी सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम की घोषणा कर दी है। सिंह ने कहा कि राज्य में ÷जंगल राज÷ की स्थिति है और मतदाताओं ने तृणमूल कांग्रेस को हराकर भाजपा को सत्ता में लाने का मन बना लिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोलकाता के ब्रिगेड परेड मैदान में रविवार को एक जनसभा को संबोधित करेंगे।

पश्चिम बंगाल में चुनाव की तारीखों की घोषणा होने के बाद उनकी यह पहली रैली होगी। नंदीग्राम में तत्कालीन वाम मोर्चा सरकार के खिलाफ आंदोलन ने 2011 में तृणमूल कांग्रेस के सत्ता में आने का मार्ग प्रशस्त किया था। नंदीग्राम में इस बार मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और उनकी पार्टी के पूर्व सहयोगी और अब भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी के बीच दिलचस्प मुकाबला देखने को मिलेगा। अधिकारी 2016 में इस सीट से विजयी हुए थे और हाल में भगवा पार्टी में शामिल होने से पहले उन्होंने विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। बनर्जी ने कोलकाता में अपनी पारंपरिक भवानीपुर सीट छोड़कर नंदीग्राम से चुनाव लड़ने की घोषणा की है।

# अरविंद केजरीवाल का बड़ा ऐलान, दूसरे राज्यों की तरह दिल्ली का भी अपना शिक्षा बोर्ड होगा

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बड़ा ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि आज हमने दिल्ली की कैबिनेट में दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन के गठन को मंजूरी दे दी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में अब अलग से दिल्ली बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन बनाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि उन्होंने कहा कि ये बोर्ड तीन लक्ष्य पूरे करेगा। हमें ऐसे बच्चे तैयार करने हैं जो कट्टर देशभक्त हों, जो आने वाले समय में हर क्षेत्र में देश की जिम्मेदारी अपने कंधों पर उठाने के लिए तैयार हों। हमारे बच्चे अच्छे इंसान बनें और ये बोर्ड बच्चों को अपने पैरों पर खड़ा होने के लिए तैयार करेगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ये अंतरराष्ट्रीय स्तर का बोर्ड बनाया जा रहा है। इंटरनेशनल प्रैक्टिस को हम स्कूलों और बोर्ड में लेकर आएंगे। इस साल 20-25 सरकारी स्कूलों को इस बोर्ड में शामिल किया जाएगा। हमें उम्मीद है कि 4-5 साल में स्वेच्छा से सारे सरकारी, निजी स्कूल बोर्ड में शामिल हो जाएंगे।

इस दौरान अरविंद केजरीवाल ने यह भी बताया कि दिल्ली में आखिर अपना शिक्षा बोर्ड बनाने की जरूरत क्यों पड़ी। उन्होंने कहा कि छह साल पहले हमने बजट का 25 फीसदी पैसा शिक्षा के ऊपर खर्च करना चालू किया। इससे सरकारी स्कूलों की इमारत अच्छी बनने लगी, लैब्स बनने लगे, साफ-सफाई की अच्छी व्यवस्था हुई इत्यादि। उन्होंने कहा कि हीन भावना से ग्रसित सरकारी स्कूलों का ढांचा बदला गया। हमने दूसरा परिवर्तन किया कि शिक्षकों और प्रिंसिपलों को ट्रेनिंग के लिए अच्छी जगह भेजा। उन्हें क्रैम्बिज में प्रशिक्षण दिया गया।

# बेगूसराय में गरजे गिरिराज, बोले- अगर अधिकारी नहीं सुनता है तो बांस उठाकर मारो !

**पटना। (एजेंसी)।**

भाजपा के कद्दावर नेता गिरिराज सिंह एक बार फिर से सुर्खियों में छाए हुए हैं। इस बार गिरिराज सिंह ने अधिकारियों जमकर क्लास लगाई। बेगूसराय में एक जनसभा को संबोधित करते हुए गिरिराज सिंह ने कहा कि अगर कोई अधिकारी आपकी बात नहीं सुनता है तो उसकी बांस उठाकर पिटाई करिए।

भाजपा नेता ने जनता से कहा कि आप मालिक हैं लोकतंत्र में, सांसद, एमएलए, पीएम, एसडीओ, ज्यूडिशरी ये आपके अधीन है। आप अपनी अच्छी बात लेकर के जाएं। एक मित्र ने लिखकर दिया कि सीओ गड़बड़ी कर रहा है। आप जाइये, मुझे कहने की जरूरत नहीं है। यह आपका अधिकार है और अगर आपके अधिकार का हनन होता है तो गिरिराज आपके साथ खड़ा हुआ है।

उन्होंने आगे कहा कि आपने मुझे सांसद बनाया है। आपने किसी को जिलापरिषद बनाया है। आपके बल पर कोई मुखिया बनाया है। मुखिया, एमएलए, एमपी के बल पर आप नहीं हैं। यह ध्यान में रखिए और मनोबल को ऊंचा रखिए। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि कोई सुनता नहीं है तो दोनों हाथ से बांस से मारो न। ये शब्द हम नहीं सुनना चाहते हैं कि नहीं सुनता है।

# अमित शाह और राजनाथ सिंह हैं किसान लेकिन कृषि मंत्री तोमर नहीं ! 538 में 216 सांसदों का दस्तावेजों में जिक्र

**नयी दिल्ली। (एजेंसी)।**

केंद्रीय कृषि कानूनों के खिलाफ चल रहे किसान आंदोलन को 100 दिन पूरे हो चुके हैं और किसान अपनी मांगों पर अड़े हुए हैं। इसके साथ ही उन्होंने संसद के करीब पार्क में खेती करने की बात कही है। जबकि सरकार का कहना है कि नए कानून कृषि सुधारों की दिशा में अभूतपूर्व कदम है। इससे किसानों को लाभ होगा। इसी बीच एक रिपोर्ट सामने आई है। जो यह दर्शाती है कि देशवासियों का प्रतिनिधित्व करने वाले कितने सांसद किसान है।

हिन्दी न्यूज वेबसाइट %दैनिक भास्कर% की एक रिपोर्ट के मुताबिक 538 सांसदों में से 216 सांसद किसान हैं। दरअसल, बजट सत्र 2021-22 के दौरान संसद में कृषि कानूनों के विषय पर जमकर हो-हल्ला हुआ। अधिकतर विपक्षी सांसद इसके विरोध में तो कुछ ही इसके समर्थन में दिखाई दिए। यहां तक की पहले कृषि कानूनों को समर्थन करने वाले कुछ सांसदों ने विरोध प्रदर्शन को बड़ा होता देख, अपना नजरिया बदला और इसका विरोध करने लगे। इस बार के सत्र में तो कई नेताओं ने यहां तक कहा कि वह भी किसान हैं और वह इनका दर्द जानते हैं। इसी आधार पर एक रिपोर्ट तैयार की गई। जिसमें दावा किया गया कि संसद की 5 खाली सीटों को छोड़ दिया जाए तो 538 में से 216 सांसदों ने सरकारी दस्तावेजों में खुद को किसान बताया है।

**किस पार्टी के पास कितने किसान ?**

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भारतीय जनता पार्टी के पास 302 सांसदों में से 139 किसान सांसद हैं। जबकि कांग्रेस के पास 51 में से 13, द्रमुक के पास 24 में से 10, तृणमूल कांग्रेस के 22 में से 1, वाईएसआर कांग्रेस के 21 में से 6, शिवसेना के पास 18 में से 11, जदयू के 16 में से 7, बीजद के 12 में से 2, बसपा के 10 में से 5, टीआरएस के 9 में से 5, लोजपा के 6 में से 4 इत्यादि किसान सांसद हैं।

रिपोर्ट्स में किसानों और किसान सांसदों के महीनेभर की आय का भी उल्लेख किया गया है। फाइनेंशियल इंस्टीट्यूट नाबार्ड (ह्ल्क्क्ष्ठ) के आंकड़ों के मुताबिक हिन्दुस्तान का किसान महीने में औसतन 8,931 रुपए कमाता है। जबकि सांसदों को सभी सुविधाओं के बावजूद हर माह 2 लाख 30 हजार रुपए तनख्वाह मिलती है। अगर हम कोरोना महामारी की वजह से सांसदों की घटी तनख्वाह की बात करें तो अभी उन्हें 1 लाख 73 हजार रुपए मिलता है। हालांकि, सबकुछ सही रहा तो कुछ वक्त बाद सांसदों को वापस से पुरानी तनख्वाह मिलने लगेगी।

**मोदी कैबिनेट में कितने किसान सांसद ?**

इस रिपोर्ट की सबसे चौंका देने वाली बात तो यह रही कि मोदी सरकार में कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर किसान सांसद नहीं हैं। जबकि गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, परिवहन मंत्री नितिन गडकरी समेत कई किसान सांसद हैं। मोदी सरकार में कुल 21 केंद्रीय मंत्री और 32 राज्यमंत्री हैं। ऐसे में 21 केंद्रीय मंत्रियों में 7 और 32 राज्यमंत्रियों में 13 किसान हैं।

# कोंडापल्ली खिलौने

**लकड़ी से बने खिलौने अब बच्चों की दुनिया से गायब हो रहे हैं, लेकिन ये लंबे समय से हमारी परंपरा का हिस्सा रहे हैं। ये देखने में तो आकर्षक होते ही हैं, साथ ही तुम्हें ग्रामीण जीवन से भी रूबरू कराते हैं। आज इनके बारे में जानते हैं**

कहां है तुम्हारा खिलौनों का संसार..कितने खिलौने हैं तुम्हारे पास.. वीडियो गेम, रिमोट वाली कार, बार्बी डॉल, रोबोट यही सब ना। जब भी मम्मी के साथ बाजार जाते हो, एक नया खिलौना तो लाते ही हो। लेकिन कोई लकड़ी से बना हुआ खिलौना है क्या तुम्हारे इस चहेते भंडार में- खोजो जरा उसे।

क्या तुम्हें पता है कि नई चीजों को समझने व सीखने के लिए पढ़ना ही सबसे जरूरी काम नहीं, खेल के द्वारा भी तुम कई नई चीजों के बारे में जान सकते हो। कई ऐसी सीख हैं, जो हमें बस खेल से मिल जाती हैं और खिलौना तो हम किसी भी वस्तु को बना सकते हैं। अब शेर के बच्चे को ले लो, वो तो अपनी मां की पूंछ को खिलौना बनाकर खेलते हैं। यहां तक कि हमारे खुद के खिलौनों में कई बार रसोई के बर्तन, जैसे चम्मच या फिर कार्डबोर्ड बॉक्स शामिल होते हैं।

## कोंडापल्ली खिलौने

कोई लकड़ी का टुकड़ा देकर उसका उपयोग करने को कहे तो तुम क्या कर सकते हो? या तो पेपर वेट बनाओगे या अपने दरवाजे को हवा से बंद न हो तो ब्रेकर की तरह उपयोग करोगे बस। लेकिन कोंडापल्ली कारीगर को वही टुकड़ा दो, देखो वे अपने हाथ के जादू से किस तरह उसमें रंग भर तुम्हारे लिए खूबसूरत खिलौना बना देंगे।

भारत में कई ऐसे क्षेत्र हैं, जो खिलौने बनाने के लिए प्रसिद्ध हैं। दक्षिणी राज्यों में आंध्र प्रदेश के कोंडापल्ली, निर्मल, एट्टीकोपक्का और तिरुपति लकड़ी के खिलौने के लिए जाने जाते हैं।

आंध्र प्रदेश स्थित विजयवाड़ा जिले में बने लकड़ी के कोंडापल्ली खिलौने काफी प्रसिद्ध है। जो कारीगर इस पेशे में हैं उनकी पीढ़ी दर पीढ़ी की आजीविका इसी कला पर निर्भर है। कोंडापल्ली आंध्र प्रदेश का एक औद्योगिक कस्बा है, जिसकी पहचान ही इन खिलौने के कारण है।

और गायों से घिरा हुआ दिखाते हैं।

## बहुत-कुछ सिखाते हैं

ये खूबसूरत कोंडापल्ली खिलौने जिंदगी में सीख तो देते ही हैं, साथ ही रंग और खुशी भी भरते हैं। ये ग्रामीण जिंदगी से रूबरू कराते हैं। आज बार्बी डॉल ने भले ही पुराने खिलौनों की जगह ले ली है, लेकिन इन पुराने कोंडापल्ली खिलौनों की यादें सबके दिल में बसी रहेंगी।

## कितने पुराने खिलौने

भारत में 5,000 वर्ष पुराने हड़प्पा संस्कृति के खिलौने अब तक मौजूद हैं। ये खिलौने प्राकृतिक चीजों से जैसे क्ले, लकड़ी और पत्थरों से बने हैं। और तो और ये प्राचीन खिलौने बाद में हाथों से बनाए गए खिलौनों से काफी मेल खाते हैं।

## कुछ ऐसी है सांपों की दुनिया...

दुनियाभर में करीब 2500 प्रजाति के सांप पाए जाते हैं। इनमें अपने देश में ही लगभग 250 तरह के सांप हैं। सारे सांप जहरीले नहीं होते हैं। हमारे देश में पाए जाने वाले सांपों में करीब 50 प्रजाति के जहरीले होते हैं। इनमें कोबरा, मनीर, गोनस व फर्सा सबसे ज्यादा जहरीले होते हैं। सबसे जहरीला सांप ऑस्ट्रेलियन टाइगर है और विषैले सांपों में सबसे लंबा सांप किंग कोबरा है। किंग कोबरा नाग नहीं होता, लेकिन नाग की तरह फन निकालता है। वैसे विश्व का सबसे लम्बा सांप एनाकोंडा है, जिस पर फिल्म भी बन चुकी है, लेकिन यह जहरीला नहीं होता है। भारत में सबसे लंबा सांप रेटिक्युलेटेड पायथन है और यह भी जहरीला नहीं होता है। भारत का सबसे जहरीला सांप मनीर है। इसमें नाग की अपेक्षा दस गुना अधिक जहर होता है। मनीर का शरीर काला-नीला होता है, उस पर सफेद धारियां होती हैं। यह दिन में आराम करता है और रात में शिकार।

## कैसे बनते हैं ये

इन खिलौनों को बनाना बच्चों का खेल नहीं। इनकी डिजायनिंग में काफी लंबा समय लगता है। इस क्षेत्र के दस्तकार हल्की लकड़ी जिसे पुंकी लकड़ी के नाम से जाना जाता है, से इन खिलौनों को बनाते हैं। यह काफी मुलायम होती है और आसानी से मुड़ा भी जाती है। सबसे पहले लकड़ी को इतना गर्म किया जाता है कि इसमें नमी न रहे। फिर जो खिलौने की आकृति बनाई जानी है उसके अलग-अलग हिस्से बनाए जाते है। इन हिस्सों को जोड़ दिया जाता है, फिर इन पर प्राकृतिक और एनामिल रंग लगाए जाते है, फिर पतले हल्के ब्रश से इन पर पेंटिंग बनाई जाती है। इन चित्रकारियों में पशु-पक्षी, ग्राम्य जीवन, देवी-देवताओं तथा सैनिकों आदि की आकृतियां बनाई जाती हैं। ये खिलौने देखने मे बहुत ही खूबसूरत लगते हैं।

## खिलौनों की थीम

इन खिलौनों को जानवरों और ग्रामीण जीवन को देखते हुए डिजायन किया जाता है। हंस, मोर और तोता इसके लिए लोकप्रिय थीम हैं। कुछ जिंदगी के प्रसंग को भी खिलौने बनाने में थीम की तरह उपयोग किया जाता है। जैसे कुएं से पानी खींचती महिला, सपेरे, हाथी के साथ महावत आदि। इसके साथ ही भगवान को भी आकार दिया जाता है, जैसे कृष्ण- इन्हें बांसुरी बजाते

# हवा से चलती है यह कार

इंटरनेट पर दोस्त बने रोमानिया के राउल ओएदा और ऑस्ट्रेलिया के स्टीव समारटिनो ने बातों-बातों में इस तकनीक पर चर्चा की और इसको बनाने की ठानी। लेगो ब्लॉक से बनी और हवा से चलनेवाली इस कार की अधिकतम रफ्तार 30 किमी प्रति घंटा है। रोमानियाई तकनीशियन और ऑस्ट्रेलियाई उद्यमी ने इस कार को बनाने के लिए 5,00,000 लेगो ब्लॉक का इस्तेमाल किया। बेहद खर्चीले इस प्रोजेक्ट के लिए स्टीव समारटिनो ने आधी रात में ट्विट किया ''कोई है जो 500 से 1000 डॉलर लागत के एक प्रोजेक्ट में निवेश कर सकता है, जो बेहद अद्भुत और दुनिया का पहला प्रोजेक्ट होगा, कम से कम 20 सहयोगी चाहिए।'' और देखते ही देखते 40 ऑस्ट्रेलियाई नकद देने के लिए आगे आए और इस तरह 'ऑसम माइक्रो प्रोजेक्ट' का जन्म हुआ। पता है दोस्तों, इस कार को बनाने में 18 महीने का वक्त लगा और लगभग 60 हजार अमेरिकी डॉलर के खर्च हुए, जो सामूहिक योगदान से इकट्ठा किया गया। इस कार की खासियत यह है कि पहिया छोड़कर सब कुछ लेगो ब्लॉक का बना हुआ है। हवा से चलनेवाले चार इंजन और 256 पिस्टन कार को शक्ति प्रदान करते हैं।

# हाथी भी जताते हैं दुःख उनमें भी हैं भावनाएं

**एक समय तक हमारी धारणा यही थी कि संसार में भावनाएं सिर्फ मनुष्यों में ही पाई जाती है किन्तु बाद में पता चला कि इंसानों में ही नहीं बल्कि जानवरों में भी भावनाएं होती हैं और फिर जैसे-जैसे विज्ञान ने विकास किया पेड़-पौधों पर अध्ययन हुए तो पेड़-पौधों में भी भावनाओं का पाया जाना स्पष्ट हो गया। अब यह तय है कि भावनाएं अथवा संवेदनशीलता सभी प्राणियों में पाई जाती है।**

दोस्तों, आपने भी कई बार अपने आसपास उपस्थित जानवरों में भावनाओं को महसूस किया होगा... कभी अपने पालतू को अपनों से बिछड़ने पर रोते देखा होगा या कई बार उसे किसी अन्य तरीके से सामान्य से हटकर कुछ अलग तरह का व्यवहार करते देखा होगा। जानवरों में कौन कितना अधिक भावुक है इसकी व्याख्या हाल ही में अमेरिका के विलियम एंड मेरी कॉलेज के मानव विज्ञान की प्रोफेसर बारबरा जे किंग ने अपनी एक पुस्तक 'हाउ एनीमल्स ग्रीव' में की है। अपनी इस पुस्तक में उन्होंने जानवरों की कई प्रजातियों पर अध्ययन को लोगों के साथ शेयर किया है। उनकी व्याख्या बताती है कि दु:ख व्यक्त करने में हाथी सबसे अधिक भावुक जानवर है। किताब में उन्होंने जानवरों की कई प्रजातियों के द्वारा अपनों से बिछड़ने का शोक व्यक्त करने के तरीकों का वर्णन किया है जिसमें हाथी द्वारा भावनाएं प्रकट करने का तरीका अचरज भरा था।

किताब के जरिए उन्होंने बताया कि एक शोधकर्ता द्वारा हाथी के शव को रेत में छोड़ दिये जाने पर पाया गया कि हाथियों के पांच अलग-अलग परिवार उस हाथी के शव के पास आए और सभी ने अलग-अलग तरीके से अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। किसी ने शव के चारों ओर चक्कर लगाकर दु:ख व्यक्त किया... किसी ने चुपचाप उसके पास खड़े रहकर तो किसी ने मरे हुए हाथी की हड्डियां अपनी सूंड से उठाकर अपनी संवेदना प्रकट की। बारबरा का कहना है कि वे यह नहीं मानतीं कि जानवरों का शोक प्रकट करने का तरीका इंसानों की तरह का है किन्तु कुछ प्रजातियों में दु:ख व्यक्त करने की भावनाएं वास्तविक होती हैं। बारबरा के मुताबिक उन्होंने दो ऐसी बिल्लियों का भी अध्ययन किया जो बहनें थी और एक के मर जाने पर दूसरे ने लम्बे समय तक उसके शव को नहीं छोड़ा। हालांकि वह यह नहीं मानती कि जानवर भी इंसानों की तरह ही शोक व्यक्त करते हैं।

# जानवरों में सबसे ज्यादा भावुक कौन

अक्सर जब हम किसी अपने से मिलते या बिछड़ते हैं तो भावुक हो जाते हैं। अगर कोई मित्र बहुत दिनों बाद मिले तो हम उसे खुशी से गले लगा लेते हैं। पर यदि कोई अपना बिछड़ जाए तो रोते-बिलखते हैं। पर क्या आपने कभी सोचा है कि जानवरों में भावुकता पाई जाती है या नहीं? क्या कुत्ते-बिल्ली भी भावनाओं में बहते हैं? बड़े से हाथी और छोटी सी चींटी भी भावुक होते हैं? हाल ही में अमेरिका के विलियम एंड मेरी कॉलेज में मानव विज्ञान की प्रोफेसर, बारबरा जे किंग ने इस विषय पर पड़ताल की। जिसका जिक्र उन्होंने अपनी नई किताब 'हाउ एनीमल्स ग्रीव' किया है। बारबरा के अनुसार वैसे तो सभी जानवरों में भावुकता होती है। पर विशालकाय हाथी दुख व्यक्त करने वाले जानवरों में सबसे ज्यादा भावुक होते हैं। जब एक हाथी के एक शव को रेत में छोड़ दिया गया, तो हाथियों के पाँच अलग-अलग परिवार उस हाथी के शव के पास आए और उन्होंने अलग-अलग तरीके से अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। किसी ने हाथी के शव के चारों ओर घूमकर, तो किसी ने मरे हुए हाथी की हड्डियां अपनी सूंड़ पर उठाकर दुख व्यक्त किया।

संपादकीय

## स्वतंत्रता के मानक

यूं तो पश्चिमी जगत, खासकर अमेरिका दुनिया को लोकतंत्र की परिभाषा सिखाने के अपने मानक निर्धारित करता है। जिसे उसके स्वतंत्र देशों पर दबाव बनाने के तौर-तरीके के रूप में देखा जाता है। अमेरिका में सत्ता परिवर्तन के बाद उम्मीद थी कि सरकार और उनके कथित थिंट टैंक भारत के लोकतंत्र, प्रेस की आजादी, इंटरनेट पर रोक व कश्मीर जैसे मुद्दों पर भारत को घेर सकते हैं। दुनिया में कथित रूप से लोकतंत्र की निगहबानी करने वाले अमेरिकी एनजीओ 'फ्रीडम हाउस' ने ताजा रिपोर्ट में यह दलील दी है कि भारत में नागरिक स्वतंत्रता पर्याप्त नहीं है, जिसे उसने आंशिक बताया है। यानी नागरिक पूरी तरह से स्वतंत्र नहीं हैं। हालांकि, रिपोर्ट में अन्य देशों में भी लोकतंत्रों की स्थिति को चिंताजनक बताया गया है। इसके बावजूद एक नागरिक के तौर पर हमें यह बात परेशान करने वाली जरूर है कि विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में नागरिक स्वतंत्रता को आंशिक बताया जा रहा है। हालांकि, खुद अमेरिका की पिछली सरकार में जिस तरह लोकतांत्रिक मूल्यों की धज्जियां उड़ायी गईं, उसका जिक्र अमेरिकी थिंक टैंक नहीं करते। ट्रंप शासन में शरणार्थियों के साथ अमानवीय व यवहार, कुछ मुस्लिम देशों के नागरिकों के अमेरिका में प्रवेश पर रोक, रंगभेद के संघर्ष तथा मैक्सिको सीमा पर दीवार बनाया जाना किस लोकतांत्रिक मर्यादा के दायरे में आते हैं? अपने साम्राज्यवाद के विस्तार के लिये किस तरह दुनिया की लोकतांत्रिक सरकारों को अपदस्थ करने का खेल चला, उसकी पूरी दुनिया गवाह है। यही वजह है कि सतारूढ़ दल ने अमेरिकी थिंक टैंक की रिपोर्ट को वैचारिक साम्राज्यवाद का नमूना बताया। बहरहाल, देश में सोशल मीडिया और राजनीतिक हलकों में इस रिपोर्ट की अपनी सुविधा से अलग-अलग व्याख्या की जा रही है। इसको लेकर वैचारिक विभाजन साफ नजर आ रहा है। बहरहाल, एक नागरिक के तौर पर हमें भी मंथन करना चाहिए कि क्या वाकई भारतीय लोकतंत्र में एक नागरिक के रूप में हमारी आजादी का अतिक्रमण हुआ है। साथ ही रिपोर्ट में दी गई दलील को भारतीय परिस्थितियों के नजरिये से भी देखने की जरूरत है। दरअसल, इस रिपोर्ट में जिन बिंदुओं को आधार बनाया गया है उनके अन्य पहलुओं पर विचार करना चाहिए। कहा गया कि कोरोना संकट में देश में बेहद सख्त लॉकडाउन लगाया गया, जिससे लाखों श्रमिकों को मुश्किल हालातों से गुजरना पड़ा। इस दलील का तार्किक आधार नजर नहीं आता क्योंकि दुनिया के तमाम देशों में सख्त लॉकडाउन को कोरोना से निपटने का कारगर माध्यम माना गया। लॉकडाउन से जुड़ी लापरवाहियों की बड़ी कीमत अमेरिका ने चुकायी है, जहां अब तक तमाम आधुनिक स्वास्थ्य सुविधाओं के बावजूद पांच लाख लोग कोरोना संक्रमण से मौत के मुंह में समा चुके हैं। ऐसे में सख्त लॉकडाउन और श्रमिकों के पलायन के मुद्दे को लेकर यह नहीं कहा जा सकता कि देश में लोकतांत्रिक आजादी कम हुई है। रिपोर्ट का एक बड़ा मुद्दा इंटरनेट पर रोक लगाना है जो अमेरिकी कंपनियों के कारोबार को प्रभावित करता है। कश्मीर में परिस्थितियां और पाक के हस्तक्षेप के चलते सरकार ने इंटरनेट नियंत्रण को अंतिम हथियार माना। वैसे भी स्थितियां सामान्य होने पर वहां फोर-जी सेवा बहाल कर दी गई है। इसके अलावा रिपोर्ट में प्रतिरोध करने वालों के खिलाफ राजद्रोह के मामले दर्ज करने का मुद्दा भी उठाया गया है। सुप्रीम कोर्ट भी कई बार कह चुका है कि हिंसा न फैलाने वाले लोगों के खिलाफ राजद्रोह के मामले न दर्ज किये जायें। इसके अलावा रिपोर्ट में कोरोना काल में अल्पसंख्यकों से भेदभावपूर्ण व्यवहार, सूचना माध्यमों के खिलाफ सख्ती, लव जिहाद व सीएए के दौरान हिंसा के मुद्दों को आधार बनाया गया है। एक नागरिक के तौर पर भी हमारे लिये मंथन का समय है कि क्या हम अपनी स्वतंत्रता पर आंच महसूस करते हैं। रिपोर्ट को सिरे से खारिज करने के बजाय इसका लोकतांत्रिक आधार पर मूल्यांकन करने की जरूरत है। साथ ही व्यवस्था का न्यायपूर्ण बने रहना प्रत्येक लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिये अपरिहार्य शर्त भी है।

# करनी से रेखांकित हो राजनीतिक संवेदनशीलता

विश्वनाथ सचदेव

जब देश का प्रधानमंत्री किसी अस्पताल में पहुंचे टीका लगवाने के लिए तो वातावरण में तनाव दिखना स्वाभाविक है। शायद इसी तनाव को हल्का करने के लिए प्रधानमंत्री ने टीका लगाने के लिए काम में ली जा रही लंबी सूई को देखकर टिप्पणी की होगी। जब नर्स वह इंजेक्शन लगाने के लिए आगे बढ़ी तो प्रधानमंत्री ने पूछा-ऐसी सूई तो शायद जानवरों के डाक्टर काम में लेते हैं? नर्स को समझ नहीं आया कि वह क्या बोले। तब प्रधानमंत्री ने कुछ मुस्कराते हुए कहा था, वे सोच रहे थे शायद अस्पताल वाले जानवरों को लगाने वाली सूई इस्तेमाल करेंगे 'क्योंकि राजनेताओं को भी मोटी चमड़ी वाला माना जाता है।' इस पर तो वातावरण का तनाव कम होना ही था। हंसते-मुस्कराते कब टीका लग गया, पता ही नहीं चला। फिर, सुना है, प्रधानमंत्री आधा घंटा अस्पताल में रहे थे, यह देखने के लिए कि टीके का कोई विपरीत असर तो नहीं होता है। ऐसा कुछ नहीं हुआ, उम्मीद भी यही थी। इस आधे घंटे में प्रधानमंत्री ने क्या बातें कीं, यह नहीं पता, पर राजनेताओं की मोटी चमड़ी वाली उनकी बात अब भी हवा में गूंज रही है। सच है, राजनेताओं की मोटी चमड़ी के उदाहरण खोजने की ज़रूरत नहीं पड़ती, हर तरफ बिखरे पड़े हैं ऐसे उदाहरण। इस मोटी चमड़ी के कई मतलब होते हैं, जैसे यह बात कि राजनेताओं के बारे में भले ही कुछ भी कहा जाता रहे, दिखाते वे यही हैं कि उन्हें कुछ फर्क नहीं पड़ता। वैसे, शायद, फर्क पड़ता भी नहीं है, अन्यथा हमारे नेता अपनी वाणी और व्यवहार, दोनों, पर अंकुश लगाने की आवश्यकता और महत्ता को अवश्य समझते। पर आये दिन दिखने वाले उदाहरणों को देख कर यह सहज ही कहा जा सकता है कि ऐसी कोई चिंता हमारे राजनेताओं को नहीं है। वे यह मानकर चलते हैं कि या तो देश की जनता कुछ समझती नहीं, या फिर उसके समझने से कोई अंतर नहीं पड़ता। हम भले ही यह कहते रहें कि 'यह पब्लिक है, सब जानती है' और समय आने पर सबक भी सिखा सकती है, पर हमारे राजनेताओं को तो, निश्चित ही, यह लगता है कि जनता कुछ भी कहती-करती रहे, उनका कुछ नहीं बिगड़ेगा। मोटी चमड़ी इसी को कहते हैं। नेताओं के संबंध में आप कुछ भी कहते रहें, वे यह जानते हैं कि उनकी राजनीति चलती रहेगी। इसलिए वे भी कुछ भी करते-कहते रहते हैं। वे यह भी मानते हैं कि उनका कुछ बिगड़ेगा नहीं। उनकी राजनीति की दुकान चलती रहेगी। यही कारण है कि न तो हमारे राजनेता भ्रष्टाचार के आरोपों से डरते हैं और न ही उन्हें सज़ायाफ्ता होने का ही कोई डर होता है। हमने भ्रष्टाचार के आरोपी नेताओं को उंगलियों से जीत का निशान बनाकर जेल जाते हुए देखा है और सज़ा काटकर आने के बाद ज़िंदाबाद के नारों के साथ जेल के दरवाजे से बाहर निकलते भी देखा है। यह सही है कि सारे नेता ऐसे नहीं होते, पर जो ऐसे होते हैं, वे एक मछली की तरह सारे जल को गंदा करने के लिए काफी हैं। मज़े की बात तो यह है कि मोटी चमड़ी वाले राजनेता हर दल में मिल जाते हैं। यह कहना ज़्यादा सही होगा कि जो राजनेता ज़्यादा मोटी चमड़ी वाला होता है, वह राजनीति के तराजू पर ज़्यादा भारी भी माना जाता है। गिरगिट की तरह रंग बदलने में माहिर होते हैं हमारे राजनेता। समय और अपने स्वार्थ की मांग के अनुसार वे कभी भी अपनी टोपी का रंग बदल सकते हैं, बदल लेते हैं। हर चुनाव के पहले, या वैसे भी, हम इन राजनेताओं को टोपियां बदलते देखते हैं। कल तक वे जिस रंग की टोपी का मज़ाक उड़ाते रहे थे, आज उसी रंग की टोपी पहन कर, वे ताल ठोक कर मैदान में उतर आते हैं। नीति, सिद्धांत, मूल्य, आदर्श कुछ भी आड़े नहीं आता। न उन्हें कल तक के घोषित विरोधी को गले लगाने में कोई संकोच होता है और न ही उन नारों को अपनाने में, जिनकी वे कल तक भर्त्सना कर रहे थे। नेताओं के दलबदल से अब किसी को कोई आश्चर्य नहीं होता और न ही राजनेताओं को कहीं ऐसा लगता है कि उनके समर्थक क्या कहेंगे। ये समर्थक भले ही कल तक के विरोधियों के साथ जुड़ने में संकोच करें, भले ही उन्हें लगे कि वे क्या मुंह दिखायेंगे, पर दलबदलू राजनेताओं को मुंह दिखाने में कोई शर्म नहीं आती। वे इस बात की भी आवश्यकता नहीं समझते कि अपने किये का कुछ तर्क समझायें। लोग उन्हें लेकर कुछ भी कहते रहें, वे सुनते ही नहीं। न उन्हें अपना कुछ किया ग़लत लगता है, और न ही कुछ कहा हुआ। सच बात तो यह है कि वे यह मान लेते हैं कि कल जो उन्होंने कहा था, वह कल की बात थी, जो बीत गयी सो बात गयी! पर ऐसा होता नहीं है। बीती को बिसार कर आगे की सुधि लेना एक लाभकारी नीति हो सकती है, पर कम से कम राजनेताओं के संदर्भ में ऐसा नहीं होना चाहिए। आखिर हम उनके हाथों में अपना भविष्य सौंपते हैं। उन पर भरोसा करते हैं हम। जनता के इस भरोसे का अपमान करने का अधिकार किसी को नहीं होना चाहिए। देश के नेताओं को देश की जनता के प्रति जवाबदेह होना ही होगा। उन्हें अपने कहे-किये की जवाबदारी लेनी ही होगी। जनता का यह अधिकार है कि वह जाने कि कल तक किसी एक पार्टी का झंडा उठाने वाला आज दूसरी पार्टी यानी कल तक अछूत समझी जाने वाली पार्टी का दामन कैसे थामने लग गया? और जनता को यह जानने का हक भी है कि हमारे नेता क्यों यह मानकर चलते हैं कि उनके कहे को जनता भूल जाये? प्रधानमंत्री यदि यह कहते हैं कि वे किसी व्यक्ति विशेष को कभी मन से स्वीकार नहीं कर पायेंगे तो उन्हें इस बात का जवाब देना ही होगा कि वह व्यक्ति विशेष उनकी पार्टी के लिए महत्वपूर्ण कैसे बन गया? विपक्ष में बैठा कोई राजनेता यदि रातों-रात सतारूढ़ दल की अगली पंक्ति में आकर बैठ जाता है तो उसे जनता को यह बताना ही होगा कि कल तक जो वह कह रहा था, वह गलत कैसे था? राजनेताओं का मोटी चमड़ी का होना उनके लिए भले ही राजनीतिक सुविधा हो, पर उन्हें यह नहीं भूलना चाहिए कि उनकी संवेदनशीलता ही अंतत- उन्हें सही नेता बनाती है। संवेदनहीन राजनीति के लिए जनतांत्रिक व्यवस्था में कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उस दिन प्रधानमंत्री ने भले ही अस्पताल में वातावरण को हल्का बनाने के लिए मोटी चमड़ी वाली बात कही हो, पर यह मोटी चमड़ी हमारी राजनीति की एक हकीकत है। बदलनी चाहिए यह हकीकत। वास्तव में सब नेता संवेदनहीन नहीं होते, पर ऐसे संवेदनशील नेताओं का ही यह दायित्व बनता है कि वे अपनी कथनी-करनी से राजनीति में संवेदनशीलता की आवश्यकता को रेखांकित करें।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

## आज के ट्वीट

तजुर्बा

दुनिया में सबसे ज़्यादा फ़ायदे का सौदा बुज़ुर्गों के पास बैठना है, चंद लम्हों में वो आपको बरसों का तजुर्बा दे देते हैं।

- पुष्पेंद्र कुलश्रेष्ठ

ज्ञान गंगा

## दिमाग

सद्गुरु

हमें इस बात को समझना चाहिए कि हमारी जीवन ऊर्जा एक खास तरह से व्यवस्थित होती है। आपने देखा होगा कि अलग-अलग लोगों की क्षमता अलग-अलग स्तर की गतिविधियों के लिए अलग-अलग होती है। जब हम कर्म की बात करते हैं तो हमारा मतलब अपने भीतर मौजूद कुछ खास तरह के 'प्रोग्राम' से होता है। ऐसी कई सारी चीजें इस तरह से घटित हुई कि आपके कार्मिक ढांचे ने खुद को एक खास तरीके से सजा लिया। ये कर्म फिलहाल जिस रूप से व्यक्त हो रहा है उसे प्रारब्ध कहते हैं। सिर्फ एक पीढ़ी पहले तक मेरी मां और दादी अपनी रोजमर्रा की बातचीत के दौरान हर तीन से चार वाक्यों में 'कर्म,' 'प्रारब्ध,' 'मुक्ति' या 'मोक्ष' जैसे शब्दों का इस्तेमाल करती रहती थीं। यह सब किसी आध्यात्मिक बातचीत के दौरान नहीं, बल्कि अपनी रोजमर्रा की आम बातचीत में होता था। क्योंकि तब लोग हमेशा इन चीजों के प्रति जागरूक हुआ करते थे। दरअसल, इस तरह से आप दूसरों को उसी तरह से स्वीकार करने की कोशिश करते हैं, जैसे वे हैं। क्योंकि जब आप लोगों के करीब रहते हैं तो उनकी कई छोटी-छोटी चीजों पर भी आप बौखला जाते हैं। 'आखिर क्यों यह इंसान इस तरह से व्यवहार कर रहा है?' 'अरे यह तो उसके कर्म हैं।' यानी वह फिलहाल जो भी कर रहा है, वह मजबूर है ऐसा करने को। इसलिए उसके बारे में कोई राय बनाने का कोई मतलब नहीं है। दरअसल, जिस तरह की आपकी शारीरिक, भावनात्मक, बौद्धिक या ऊर्जा की गतिविधियां होती हैं, वह पहले से ही तय होती हैं। तो अब आप उसका बुनियादी रूप बदलना चाहते हैं। इस मामले में यहां ऐसी बहुत सी चीजें हैं, जो आपको प्रभावित कर रही हैं-आपकी आनुवांशिक (वंश से आई) याददाश्त, कार्मिक याददाश्त, जीवन की कई चीजों का असर व अनुभव जैसे बहुत सारे पहलू हैं। अब आप उन सारी चीजें से परे जाने की कोशिश कर रहे हैं। ये सारी चीजें आपके जीवन को बनाती हैं। अगर व्यावहारिक दृष्टि से देखें तो यह व्यवस्था बिल्कुल ठीक है, लेकिन अब आप जीवन की उपयोगिता से परे जाना चाहते हैं, जीवन के बारे में जानना चाहते हैं। मैं आपके कर्मों में अभी बदलाव कर सकता हूं, लेकिन अगर आपके भीतर की कोई बुनियादी चीज बदल जाए तो आपका संघर्ष बेहिसाब बढ़ जाएगा।

# रसायन मुक्त खिलौनों का उम्मीद भरा बाजार

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रसायन मुक्त और पर्यावरण हितैषी खिलौने बनाने का आह्वान व्यापारियों से किया है। भारतीय खिलौना मेले में उन्होंने कहा कि अगर देश के खिलौना उत्पादकों को वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी बढ़ानी है तो उन्हें पर्यावरण-अनुकूल पदार्थों का अधिक से अधिक उपयोग करना होगा। इससे हम आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ दुनिया भर की जरूरतों को भी पूरा कर सकते हैं। खिलौनों को बच्चों के खेलने की वस्तु भले ही माना जाता हो, लेकिन ये आकर्षित सभी आयु वर्ग के लोगों को करते हैं। बच्चे या किशोर एकाकीपन की गिरफ्त में आकर अवसाद के घेरे में आ रहे हों, तो इस अवसाद को समाप्त करने के लिए खिलौने प्रमुख उपकरण हैं। मूक, बधिर व मंदबुद्धि बच्चों को खिलौनों से ही शिक्षा दी जाती है। स्वस्थ छोटे बच्चों के लिए तो समूचे देश में खेल-विद्यालय अर्थात 'प्ले-स्कूल' खुल गए हैं। साफ है, बच्चों के शैशव से किशोर होने तक खिलौने उनकी परवरिश के साथ, उनके रचनात्मक विकास में भी सहायक हैं। भारत में खिलौना निर्माण का इतिहास अत्यंत प्राचीन है। मोहन-जोदड़ो और हड़प्पा के उत्खनन में अनेक प्रकार के खिलौने मिले हैं। ये मिट्टी, पत्थर, लकड़ी, धातु, चमड़ा, कपड़े, मूंज, वन्य जीवों की हड्डियों व सींगों और बहुमूल्य रत्नों से निर्मित हैं। जानवरों की असंख्य प्रतिकृतियां भी खिलौनों के रूप में मिली हैं। खिलौनों की अत्यंत प्राचीन समय से उपलब्धता इस तथ्य का प्रतीक है कि भारत में खिलौना निर्माण लाखों लोगों की आजीविका का प्रमुख साधन था और ये स्थानीय व घरेलू संसाधनों से बनाए जाते थे। नवें दशक में जब कंप्यूटर व डिजिटल क्रांति हुई तो एक बार फिर खिलौनों का रूप परिवर्तन हो गया। अब कंप्यूटर व मोबाइल स्क्रीन पर लाखों प्रकार के डिजिटल खेल अवतरित होने लगे हैं। हालांकि इनमें अनेक खेल ऐसे भी हैं, जो बाल मन में हिंसा और यौन मनोविकार भी पैदा कर रहे हैं। चीन से इनका सबसे ज्यादा आयात होता है। इसीलिए प्रधानमंत्री ने भारतीय लोक-कथाओं व धार्मिक प्रसंगों पर डिजिटल लघु फिल्में बनाने की बात कही है। यदि खिलौनों के निर्माण में हमारे युवा लग जाएं तो ग्रामीण व कस्बाई स्तर पर हम ज्ञान-परंपरा से विकसित हुए खिलौनों के व्यवसाय को पुनर्जीवित कर सकते हैं। इससे हमारे बच्चे खेल-खेल में भारतीय लोक में उपलब्ध ज्ञान और संस्कृति के महत्व से भी परिचित होंगे। दूसरी तरफ रबर, प्लास्टिक व डिजिटल तकनीक से जुड़े खिलौनों का निर्माण स्टार्टअप के माध्यम से इंजीनियर व प्रबंधन से जुड़े युवा कर सकते हैं। खिलौना उद्योग से जुड़े परंपरागत उद्योगपति अत्यंत प्रतिभाशाली व अनुभवी है, इसलिए वे इस विशाल व्यवसाय में कुछ नवाचार भी कर सकते हैं। कालांतर में ऐसा होता है तो हम एक साथ तीन चुनौतियों का सामना कर सकेंगे। एक चीन के वर्चस्व को चुनौती देते हुए, उससे खिलौनों का आयात कम करते चले जाएंगे। दो, खिलौने निर्माण में कुशल-अकुशल व शिक्षित-अशिक्षित दोनों ही वर्गों से उद्यमी आगे आएंगे, इससे ग्रामीण और शहरी दोनों ही स्तर पर आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। यदि हम उत्तम किस्म के डिजिटल-गेम्स बनाने में सफल होते हैं तो इन्हें दुनिया की विभिन्न भाषाओं में डब करके निर्यात के नए द्वार खुलेंगे। वर्तमान में देश में खिलौनों का बजार 1.7 अरब अमेरिकी डॉलर का है। जिसमें से हम 1.2 अरब डॉलर के खिलौने आयात करते हैं। दरअसल दुनिया में खिलौनों की मांग हर साल औसत करीब पांच फीसदी बढ़ रही है, वहीं भारत में खिलौनों की मांग में 10 से 15 प्रतिशत इजाफे की उम्मीद है। दरअसल भारत में संगठित खिलौना बाजार शुरुआती चरण में है। फन स्कूल इंडिया कंपनी की इस बाजार में प्रमुख भागीदारी है। यह कंपनी विदेशी खिलौनों का वितरण भी भारत में करती है। इनमें हेसब्रो, लोगो, डिज्नी, वार्नर ब्रदर्स, टाकरा-टोमी और रेवेंसबर्ग ब्रांड्स शामिल हैं। फिलहाल भारत में संगठित खिलौना बाजार खुदरा मूल्यों के आधार पर करीब तीन हजार करोड़ रुपए का है। हम भारत में बने परंपरगत रंगों का उपयोग कर फ्लेम रिटार्डेंट जैसे खतरनाक रसायन से बच सकते हैं। भारतीय गुणवत्ता परिषद् (क्यूसीआई) की एक रिपोर्ट ने खिलौनों में जहर की आशंका जताई है। इस रिपोर्ट के अनुसार अनुसार भारत में आयात होने वाले 66.90 प्रतिशत खिलौने बच्चों के लिए खतरनाक हैं। सुरक्षा मानकों पर खरे नहीं उतरने के बाद भारत ने फिलहाल चीनी खिलौना कंपनियों के निर्यात पर फिलहाल पाबंदी लगाई हुई है। सरकार को इस उद्योग को बढ़ावा देने के लिए नीतियों को उदार बनाने के साथ प्रशासन की जो बाधाएं पैदा करने की मानसिकता है, उस पर भी अंकुश लगाना होगा।

# आज का राशिफल

**मेष** दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

**वृषभ** जीवनसाथी के स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। व्यावसायिक तथा आर्थिक योजनाएं सफल होंगी। धन लाभ की संभावना है। प्रियजन भेंट संभव।

**मिथुन** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। किसी मित्र या रिश्तेदार से मिलाप होगा। नेत्र विकार की संभावना है। अपनों से तनाव मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

**कर्क** जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। खान पान में संयम रखें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी।

**सिंह** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। आर्थिक तंगी का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी।

**कन्या** पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

**तुला** बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

**वृश्चिक** पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। पिता या उच्चाधिकारी के कृपापात्र बनेंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। विरोधियों का पराभव होगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा।

**धनु** व्यावसायिक योजनाओं को बल मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

**मकर** पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं में आशातीत सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

**कुम्भ** जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। रोजी रोजगार की दिशा में प्रगति होगी। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

**मीन** आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाणी की सौम्यता को बनाये रखना ही हितकर होगा। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे।

# स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में काम करना चाहती हैं वाणी कपूर

अभिनेत्री वाणी कपूर ने कहा है कि वह भविष्य में स्वास्थ्य और पोषण के क्षेत्र में काम करना चाहती हैं। वाणी ने कहा, ''बॉलीवुड में आने से पहले से ही समग्र जीवन शैली मेरे जीवन का एक अहम हिस्सा रही है। मेरे लिए हमेशा से स्वस्थ जीवन शैली अपनाना, बाहर काम करना और सही भोजन करना पहली प्राथमिकता रही है। मैं इस क्षेत्र में कुछ बनाना चाहती हूं, काम करना चाहती हूं। आने वाले सालों में इस क्षेत्र में भी कदम रखूंगी और इसके लिए मैं कई साल से रिसर्च भी कर रही हूं।'' वाणी ने आगे कहा, ''मैं अपने देश के नागरिकों के बीच स्वास्थ्य की महत्ता के बारे में जागरुकता लाना चाहती हूं क्योंकि हमेशा स्वस्थ रहना हम सभी के लिए पहली प्राथमिकता होनी चाहिए। वैसे भी यह काम करना बहुत मुश्किल नहीं है और इसमें ज्यादा समय भी नहीं लगता है। मेरे पास इस क्षेत्र में काम करने को लेकर कई रोमांचक विचार हैं, लेकिन अभी इस बारे में बात करना जल्दबाजी होगी। साथ ही मुझे लोगों के लिए एक उदाहरण भी पेश करना होगा, ताकि वो मेरे विजन पर भरोसा करें।'' काम को लेकर बात करें तो वाणी कपूर की अगले कुछ महीनों में 3 बैक-टू-बैक फिल्में- बेलबॉटम, शमशेरा और चंडीगढ़ करे आशिकी रिलीज होने वाली हैं।

# जरीन खान बनीं डॉक्टर



हाल ही में, गोवा में नेल्सन मंडेला नोबेल पीस अवॉर्ड्स 2020 का आयोजन किया गया। इस इवेंट में बॉलीवुड एक्ट्रेस जरीन खान गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में नजर आईं। अवॉर्ड शो में उपस्थित जरीन खान न केवल गेस्ट ऑफ ऑनर थीं, बल्कि उन्हें अमेरिकन यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोबल पीस द्वारा माननीय डॉक्टरेट के रूप में नेल्सन मंडेला नोबेल पीस अवॉर्ड्स से सम्मानित किया गया, जिससे अब वे डॉ.जरीन खान बन गईं है। गोवा के सीएम, प्रमोद सावंत ने जरीन को सम्मान प्राप्त करने के लिए बधाई दी। उनके अलावा भारतीय सेना के गणमान्य व्यक्तियों के साथ-साथ अन्य गेस्ट ऑफ ऑनर भी थे, जिनमें प्रसिद्ध व्यक्तित्व के धनी डायरेक्टर वीए, लिएंडर पेस और संग्राम सिंह भी उपस्थित थे। बता दें कि जरीन खान सोशल मीडिया पर काफी लोकप्रिय हैं और फैंस उनके हर स्टाइल को फॉलो करते हैं। जरीन खान ने अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत साल 2010 आई सलमान खान की फिल्म 'वीर' से की थी। बॉलीवुड के अलावा एक्ट्रेस ने तेलुगू और पंजाबी सिनेमा में भी हाथ आजमाया है।

# राखी सावंत का खुलासा जावेद अख्तर बनाना चाहते हैं उनकी बायोपिक

ड्रामा क्वीन राखी सावंत ने 'बिग बॉस 14' के घर में दर्शकों का खूब एंटरटेन किया। इस शो में बतौर चैलेंजर हिस्सा लेने के बाद राखी शो की टॉप फाइनलिस्ट में से एक बनकर उभरीं। इस बीच राखी सावंत को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। पिछले काफी समय से चर्चा है कि राखी सावंत के जीवन पर फिल्म बनने वाली है। हाल ही में जब राखी सावंत से इस बारे में पूछा गया तो उन्होंने एक बड़ा खुलासा किया। राखी ने कहा, मेरे पास मशहूर गीतकार जावेद अख्तर जी का फोन आया था। हम फ्लाइट में बैठे थे। वह मेरे जीवन पर फिल्म बनाना चाहते हैं। राखी ने एक इंटरव्यू के दौरान अपनी बायोपिक पर कहा, यह करीब एक साल पुरानी बात है। मेरे पास जावेद अख्तर जी का फोन आया था। जावेद जी ने कहा कि मैं तुम्हारी बायोपिक लिखना चाहता हूं तो मुझसे मिलो, लेकिन उस दिन के बाद मैं उनसे मिली ही नहीं। वह चाहते हैं कि मुझ पर बायोपिक बने। उन्होंने आगे कहा, मेरी बायोपिक बहुत विवादित होगी। पता नहीं देश की जनता देखना चाहेगी या नहीं। जब राखी से पूछा गया कि वह अपनी भूमिका में किसे देखना चाहेंगी। इस पर उन्होंने कहा, मैं तो चाहती हूं कि आलिया भट्ट मेरा किरदार निभाएं, पर मुझे नहीं पता कि जावेद जी मुझे ही फिल्म में साइन करेंगे, आलिया को लेंगे या प्रियंका चोपड़ा को। राखी ने कहा, मेरी चाहत तो मैं खुद हूं, लेकिन अगर मैं ना करूं तो आलिया करें। दीपिका, आलिया, करीना जो भी कर पाएं। ये सब नंबर वन हैं और सभी मेरी पसंद हैं। इन दिनों राखी की मां का कैंसर का इलाज चल रहा है। इस पर उन्होंने कहा, मां की तबीयत अभी ठीक है। उनकी कीमोथेरेपी चल रही है। यह नहीं कहूंगी कि वह बहुत अच्छी हैं पर हां कीमो के बाद वह पहले से ठीक महसूस कर रही हैं। उनकी सेहत में धीरे-धीरे सुधार आ रहा है। अभी कीमोथेरेपी की तीन सिटिंग और हैं।

# 'वुमन्स डे' के मौके पर क्या कहा सोनी सब के कलाकारों

**युक्ति सिंह उर्फ 'मैडम सर' की करिश्मा सिंह**

''जब सब आपको 'महिला दिवस' की शुभकामनाएं देते हैं तो एक महिला होने के नाते इसे मनाना बहुत अच्छा लगता है। प्याकर और सम्मा'न की वह भावना हमें खास होने का अहसास कराती है। लेकिन मुझे ऐसा लगता है कि किसी एक दिन 'वीमन्सर डे' मनाने से अच्छाभ है कि हम पूरे साल उन्हें सम्मानि और प्यौर दें, क्योंतकि पूरे साल ही हम सबको अलग तरह की लड़ाइयां लड़नी पड़ती हैं। इस साल मैंने अपनी मां को कुछ तोहफे और फूल भेजने की सोची हे, वह जयपुर में रहती हैं। इस दिन सेलिब्रेशन की मेरी ऐसी कोई योजना नहीं है, लेकिन मेरे जीवन में जितनी भी महिलाएं हैं मैं उन्हेंन शुभकामनाएं जरूर दूंगी और मेरे जीवन में उनका होना कितना मायने रखता हे, उन्हें बताऊंगी। मेरी दोस्तप अंतरा और मेरी मां, मेरे जीवन में दो सबसे खास महिलाएं हैं, क्योंनकि उन्हों ने जीवन के हर उतारचढ़ाव में मेरा साथ दिया है। अपने सभी फैन्सर और दर्शकों को यह संदेश देना चाहूंगी कि खुद को कभी भी कमजोर ना समझें और हर मुश्किल का डटकर सामना करें। मैं अपनी सभी महिला प्रशसंकों से कहूंगी कि 'मैडम सर' की करिश्माज सिंह की तरह दिलेर और होशियार बनें।''

**मेघा चक्रवर्ती उर्फ 'काटेलाल एंड सन्सभ' की गरिमा**

''मेरे जीवन में सबसे खास महिला मेरी मां हैं। मैं उन्हें ढेर सारी चीजें देना चाहती हूं और उन्हीं स्पेरशल महसूस कराना चाहती हूं। सच कहूं तो किसी एक दिन 'वीमन्सं डे' मनाने पर मैं भरोसा नहीं करती। हमें पूरे साल ही महिलाओं का सम्मा न करना चाहिये और उनकी आजादी का जश्नन मनाना चाहिये। मेरे शो के किरदार गरिमा और सुशीला, अपने सपनों को पूरा करने के लिये हर मुसीबत से लड़ जाते हैं। इसलिये, हमें गरिमा और सुशीला के जीवन से सीखने की जरूरत है और हमें सपने देखना बंद नहीं करना चाहिये। जीवन मुश्किलों से भरा होता है लेकिन जीत आखिरकार आपकी होती है। मैं अपने सभी फैन्स से कहना चाहूंगी कि महिलाओं का सम्मानह करें। मैं सारी महिलाओं से कहना चाहूंगी कि इस दिन को अच्छीस तरह मनायें और इस ताज को सिर से गिरने ना दें।

**जिया शंकर उर्फ 'काटेलाल एंड सन्स' की सुशीला**

''मैं अपने आसपास सारी अद्भुत महिलाओं को 'महिला दिवस' की शुभकामनाएं देती हूं। मेरी मां मेरे जीवन की सबसे खास महिला हैं और मैं हर रोज ही उनका सम्माओन करती हूं। मैंने उन्हेंय संघर्ष करते हुए देखा है, जिससे मुझे उन पर गर्व महसूस होता है। साथ ही मैं कहना चाहूंगी कि महिलाओं का सम्माहन और यह उत्सहव सिर्फ एक दिन ही क्यों ? इसे तो हमें साल में हर दिन मनाना चाहिये। इस शो को लाने और महिलाओं को अपने सपने पूरे करने के लिये प्रेरित करने के लिये मुझे मेरे कई सारे फैन्सं के मैसेज मिलते रहते हैं,जो हमारा शुक्रिया अदा करते है। मुझे इस बात की बेहद खुशी है कि यह लोगों तक पहुंच रहा है और वे अपने नजरिये को बदलने की कोशिश कर रहे हैं तथा महिलाओं को और बेहतर तरीके से समझ रहे हैं। मैं चाहती हूं कि मेरे फैन्स हर दिन ही 'वुमन्स डे' मनायें। उन्हें हर दिन ही प्यासर और सपोर्ट दें।''

# फरहान अख्तर की फिल्म में दिखेंगी आलिया भट्ट

एक्ट्रेस आलिया भट्ट के फैंस के लिए एक बड़ी खबर सामने आई है। खबरों की मानें तो आलिया को जिंदगी ना मिलेगी दोबारा -2 में देखने को मिलेगा। इस फिल्म का ड्राफ्ट भी तैयार कर लिया गया है। इस फिल्म में आलिया के अलावा दो और फीमेल लीड एक्ट्रेस को शामिल करने की बात चल रही है। रिपोर्ट्स में यह भी बताया गया है कि फिल्म को अगले साल शुरू किया जाएगा।

# निगेटिव किरदार निभाना 'एक सीखने का अनुभव'

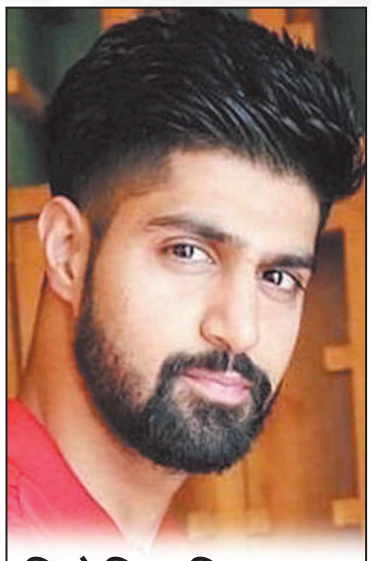

अभिनेता तनुज विरवानी आगामी सीरीज 'कामठीपुरा' में निगेटिव भूमिका में नजर आएंगे। उनका कहना है कि श्रृंखला में उनकी भूमिका एक सीखने का अनुभव है और भविष्य की परियोजनाओं के लिए एक अच्छा उछाल बोर्ड है। अभिनेता 'कमाठीपुरा' में एक डॉन की भूमिका में हैं, वहीं 'तंदूर' और 'कार्टेल' शो में निगेटिव शेड्स में दिखाई देंगे। तनुज ने बताया, ''इसमें कई परतों और बारीकियों के साथ एक जटिल भूमिका निभाने का एक अनुभव है। इसने 'तंदूर' और 'कार्टेल' के लिए एक अच्छा उछाल वाला बोर्ड दिया, जहां मैं निगेटिव किरदार भी निभाता हूं।'' कमाठीपुरा में अपनी भूमिका के बारे में उन्होंने कहा, ''मैं कामठीपुरा के स्थानीय शासक डॉन प्रहार का किरदार निभा रहा हूं। ड्रग्स, हवाला और वेश्यावृत्ति में वह लिप्त है। उसके पास पुलिस के मुखबिर भी हैं।

# बालाजी मीडिया के खिलाफ सुनील शेट्टी ने दर्ज करवाई शिकायत

बॉलीवुड अभिनेता सुनील शेट्टी ने फर्जी फिल्म पोस्टर साझा करने के लिए मुंबई के एक प्रोडक्शन कंपनी के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। इस पोस्टर में दिखाया गया है कि शेट्टी फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शेट्टी ने वर्सोवा थाने में बुधवार को यह शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने बताया कि शेट्टी ने बालाजी मीडिया प्राइवेट लिमिटेड पर उनकी अनुमति के बिना उनकी तस्वीर का इस्तेमाल करने और झूठ बोलने का आरोप लगाया कि वह फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। अधिकारी के अनुसार 59 वर्षीय अभिनेता ने आरोप लगाया कि निर्माता ने फिल्म का फर्जी पोस्टर साझा किया, जिससे वह जुड़े नहीं हैं। यह घटना सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर पोस्टर के दिखने के बाद सामने आई। शिकायत का हवाला देते हुए अधिकारी ने कहा कि शेटटी ने आरोप लगाया है कि कंपनी लोगों से संपर्क कर रही है और उनके नाम पर रुपये मांग रही है। इस पूरे मामले में वर्सोवा थाने के वरिष्ठ निरीक्षक सिराज इनामदार ने कहा कि उन्हें शिकायत मिली है, लेकिन अब तक कोई प्राथमिकी दर्ज नहीं की गई है। किसी को भी बयान दर्ज कराने के लिये नहीं बुलाया गया है। उन्होंने कहा कि पुलिस जांच कर रही है।

# सोनाक्षी सिन्हा ने की अगली फिल्म 'बुलबुल तरंग' की घोषणा

बॉलीवुड अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपनी अगली परियोजना की घोषणा की। अभिनेत्री को अगली बार ओटीटी रिलीज बुलबुल तरंग में देखा जाएगा। अभिनेत्री ने खुद की एक तस्वीर पोस्ट की जिसमें वह नीली सलवार कमीज में काफी सुंदर दिखाई दे रही हैं। शेयर तस्वीर को उन्होंने कैप्शन देते हुए लिखा, ''बुलबुल से मिलो . एक लड़की अपने सपने को सच करने के लिए बाहर निकली। मेरी अगली फिल्म बुलबुल जल्द ही नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीमिंग को तैयार।'' फिल्म को श्रीनारायण सिंह ने निर्देशित किया है और कहा जाता है कि यह एक सच्ची कहानी से प्रेरित है। फिल्म में राज बब्बर और ताहिर राज भसीन भी हैं। सोनाक्षी सिन्हा दबंग, लुटेरा, अकीरा और मिशन मंगल में अपनी भूमिका के लिए जानी जाती हैं, वह अपनी अगली फिल्म भुज : द प्राइड ऑफ इंडिया पर काम कर रही हैं। सोनाक्षी के अलावा, फिल्म में अजय देवगन, संजय दत्त, शरद केलकर, अम्मी विर्क, प्रणिता सुभाष और नोरा फतेही भी होंगी।

# ड्रग्स और यौन शोषण के मामले आपस में जुड़े हुए हैं

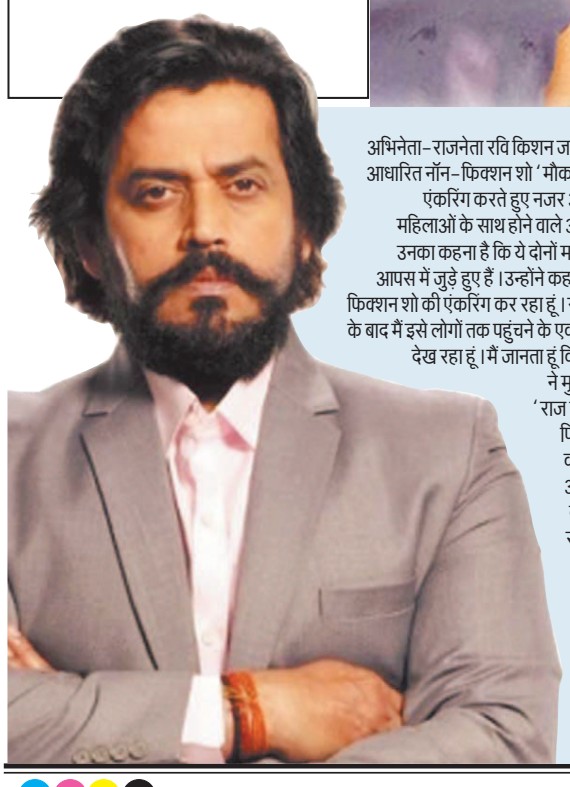

अभिनेता-राजनेता रवि किशन जल्द ही अपराध पर आधारित नॉन-फिक्शन शो 'मौका-ए-वारदात' में एंकरिंग करते हुए नजर आएंगे। ड्रग्स और महिलाओं के साथ होने वाले अपराधों को लेकर उनका कहना है कि ये दोनों मामले कहीं न कहीं आपस में जुड़े हुए हैं। उन्होंने कहा, ''मैं एक नॉन-फिक्शन शो की एंकरिंग कर रहा हूं। राजनीति से जुड़ने के बाद मैं इसे लोगों तक पहुंचने के एक मौके के तौर पर देख रहा हूं। मैं जानता हूं कि किस तरह टीवी ने मुझे 'बिग बॉस 1', 'राज पिछले जनम का' और 'झलक दिखला जा 5' के जरिए फिर से स्थापित होने का मौका दिया। लेकिन 'मौका-ए-वारदात' शो करने के पीछे मेरा एक मकसद है।'' उन्होंने आगे कहा, ''मुझे इस शो का विचार अच्छा लगा। यह शो देश के हर राज्य और दूरदराज के गांवों से कहानियां ला रहा है, जहां अपराध होते हैं, लेकिन किसी का ध्यान नहीं जाता है। इस शो के पीछे का आइडिया यह है कि लोग स्थानीय स्तर पर होने वाली चीजों के बारे में जागरूक हों। इसके अलावा प्रोडक्शन टीमों के उन गांवों में जाने से स्थानीय लोगों को भी काम मिलता है। यह यूपी में फिल्म सिटी बनाने के विचार से भी जुड़ा है। मैं गोरखपुर का सांसद भी हूं तो मेरी बात को लोग गंभीरता से भी लेंगे। मैं लोगों को सकारात्मक तरीके से प्रभावित कर सकता हूं। इसीलिए मैंने यह शो करने का फैसला किया है।'' शो का हर एपिसोड एक असल कहानी बताएगा और अपराध के पीछे की सच्चाई का खुलासा करेगा। इस शो में लोकप्रिय भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी और कलाकार सपना चौधरी भी हैं। रवि किशन ने शो को लेकर कहा, ''मैं दृढ़ता से मानता हूं कि ड्रग्स और यौन शोषण एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। हमें नशीली दवाओं के सेवन के खिलाफ लड़ना होगा, यह युवाओं को महिलाओं के खिलाफ यौन अपराध करने की ओर ले जाता है। हमारे पास आबादी के मुताबिक पुलिस नहीं है। हमें लोगों को जागरूक करके भी अपराधों को रोकना होगा। इस शो के जरिए हम यही कर रहे हैं। वैसे भी ये दोनों मुद्दे समाज के लिए अहम हैं, यह न केवल महिलाओं की सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि यह युवाओं को बर्बाद भी कर रहा है।'' धारावाहिक 'मौका-ए-वारदात' 9 मार्च से एंड टीवी पर शुरू होने जा रहा है।

## सभी कर्मचारियों, उनके परिजनों को निःशुल्क कोरोना टीका लगवाएगी टीवीएस मोटर कंपनी

**बेंगलुरू:** दोपहिया और तीन पहिया वाहन निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने अपने सभी कर्मचारियों और उनके नजदीकी परिजनों को निःशुल्क कोरोना टीका लगवाने की शनिवार को घोषणा की। कंपनी ने कहा कि यह टीकाकरण अभियान सरकारी दिशानिर्देशों के अनुरूप है। इससे देश भर में कंपनी के 35,000 प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष कर्मचारियों को टीके मिलेंगे। टीवीएस मोटर कंपनी के कार्यकारी उपाध्यक्ष (मानव संसाधन) आर आनंदकृष्णन ने कहा कि कंपनी ने महामारी के दौरान अपने कर्मचारियों और उनके परिवार के सदस्यों को विभिन्न माध्यमों से मदद करने का प्रयास किया है। इस टीकाकरण अभियान के साथ हम अपने कर्मचारियों और उनके परिजनों के स्वास्थ्य व सुरक्षा को प्राथमिकता देने का प्रयास जारी रख रहे हैं।

## डीएचएफएल के ऑडिटर ने 1,424 करोड़ रुपए की और धोखाधड़ी पकड़ी

**नई दिल्ली:** दीवान हाउसिंग फाइनेंस लि. (डीएचएफएल) ने शुक्रवार को कहा कि उसके प्रशासक ने 1,424 करोड़ रुपए से अधिक की धोखाधड़ी के सिलसिले में राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी), मुंबई में अतिरिक्त हलफनामा दिया है। कंपनी फिलहाल एनसीएलटी में कॉरपोरेट ऋण समाधान प्रक्रिया में है। 2018 के आईएलएंडएफएस संकट के बाद कंपनी का संचालन प्रशासक द्वारा किया जा रहा है। कंपनी के प्रशासक ने कंपनी के कामकाज की जांच के लिए ग्रांट थॉर्नटन को नियुक्त किया है। शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा गया है कि प्रशासक को लेनदेन आडिटर से शुरुआती रिपोर्ट मिल गई है जिससे पता चलता है कि कुछ लेनदेन का मूल्य कम कर दिखाया गया। ये लेनदेन धोखाधड़ी वाले प्रतीत होते हैं।

## रसायन क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना लाने पर विचार कर रही है सरकार

**नयी दिल्ली,** सरकार रसायन क्षेत्र के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना लाने पर विचार कर रही है। इससे घरेलू विनिर्माण और निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा। रसायन एवं उर्वरक मंत्री डी वी सदानंगद गौड़ा ने शुक्रवार को 'बजट घोषणाओं-2021-22 के क्रियान्वयन की रणनीति' पर एक वेबिनार को संबोधित करते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार देश के रसायन एवं पेट्रो रसायन क्षेत्र के लिए नीतियां बनाने को बातचीत का रुख अपना रही है। वेबिनार का आयोजन फिक्की के रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग ने किया था। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन अकेले सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता। ''हमें उद्योग को भरोसे में लेना होगा, जिससे अप्रैल के पहले सप्ताह से क्रियान्वयन शुरू हो सके।''

# राजकोषीय प्रोत्साहन के लिए करदाताओं पर कोई अतिरिक्त बोझ नहीं डाला जाएगा: सीतारमण

**नई दिल्ली:**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि सरकार अर्थव्यवस्था के प्रोत्साहन के लिए घोषित सभी उपायों का वित्त पोषण कर्ज और राजस्व-प्राप्तियों करेगी और इसमें करदाताओं से एक पैसा भी नहीं लिया जाएगा। सीतारमण ने शुक्रवार को आईडब्ल्यूपीसी (महिला प्रेस-क्लब) में पत्रकारों से बातचीत में कहा, ''मैं यह उम्मीद नहीं करती कि प्रोत्साहन उपायों का वित्तपोषण करदाताओं द्वारा किया जाएगा। कर्ज दाता से (अतिरिक्त) एक भी रूपया नहीं लिया जाएगा। पूरी राशि राजस्व और कर्ज के रूप में दिखाई गई है। सरकार खर्च करने के लिए उधार ले रही है, लोगों से पैसा नहीं ले रही है। सरकार द्वारा 2020 में कोविड-19 महामारी से प्रभावित अर्थव्यवस्था के पुनरुद्धार के लिए 27.1 लाख करोड़ रुपये का आत्मनिर्भर पैकेज घोषित किया गया है, जो सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 13 प्रतिशत से अधिक है। इसमें भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा घोषित तरलता (कर्ज के लिए धन) बढ़ाने के उपाया भी शामिल हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या सरकार क्रिप्टोकरेंसी के विनियमन पर विचार कर रही है, सीतारमण ने कहा, ''हमारा इस बारे में रिजर्व बैंक के साथ विचार-विमर्श चल रहा है। इस बारे में जब चीजें पुख्ता होंगी, हम घोषणा करेंगे। लेकिन हम इसपर काम कर रहे हैं। उच्चतम न्यायालय के एक न्यायाधीश द्वारा ब्लात्कार के आरोपी से यह पूछे जाने पर कि क्या वह ब्लात्कार के शिकार के साथ विवाह करेगा, पर सीतारमण की राय पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''मुझे लगता है कि इस तरह के मामलों से निपटने की एक स्थापित व्यवस्था है। जब इस तरह के आरोप आते हैं तो उससे निपटने के स्थापित तरीके होते हैं। मुझे यकीन है कि न्यायालय इस मामले पर ध्यान दे रहा है।

## विदेशी मुद्रा भंडार में तेज उछाल, जानें 7 दिनों में कितना बढ़ा खजाना

**नई दिल्ली:** देश का विदेशी मुद्रा भंडार 26 फरवरी को समाप्त सप्ताह में 68.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 584.554 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। इससे पहले के सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार 16.9 करोड़ डॉलर घटकर 583.865 अरब डॉलर रह गया था। इससे पहले इस मुद्राभंडार में पिछले कुछ सप्ताहों से निरंतर तेजी बनी हुई थी। विदेशी मुद्रा भंडार 29 जनवरी 2021 को समाप्त सप्ताह में 590.185 अरब डॉलर के रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गया था।

**50.9 करोड़ डॉलर बढ़ा एफसीए**

रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार 26 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों यानी एफसीए के बढ़ने की वजह से मुद्रा भंडार में बढ़ोतरी हुई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियां, कुल विदेशी मुद्रा भंडार का अहम हिस्सा होती है। रिजर्व बैंक के साप्ताहिक आंकड़ों के अनुसार समीक्षाधीन अवधि में एफसीए 50.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 542.615 अरब डॉलर हो गई। एफसीए को दर्शाया डॉलर में जाता है लेकिन इसमें यूरो, पौंड और येन जैसी अन्य विदेशी मुद्रा सम्पत्ति भी शामिल होती हैं।

## कर के बंटवारे पर निर्णय लेते समय 15वें वित्त आयोग ने निरंतरता, अनुमन्यता को चुना: एनके सिंह

**नई दिल्ली:** 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन एनके सिंह ने शनिवार को कहा कि आयोग ने करों में राज्यों की हिस्सेदारी पर निर्णय लेते समय निरंतरता और अनुमन्यता को चुना। इसी कारण कुल पूल में राज्यों की हिस्सेदारी को 41 प्रतिशत बनाए रखा गया है। सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च (सीपीआर) द्वारा आयोजित एक वेबिनार में सिंह ने कहा कि इससे पहले प्रत्येक वित्त आयोग ने कुछ हद तक राज्यों के हिस्से की मात्रा में वृद्धि की है, लेकिन 15वें वित्त आयोग ने कोविड-19 के चलते केंद्र और राज्यों दोनों के राजस्व में कमी को ध्यान में रखते हुए सभी तरह के विकल्पों पर गौर किया। राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी ने कहा कि कुल कर राजस्व में विभाजनीय राजस्व का हिस्सा संकुचित होता जा रहा है क्यों कि सकल कर राजस्व में उपकर और अधिभार घटक बढ़ रहा है। 15 वें वित्त आयोग ने सिफारिश की है कि राज्यों को 2021-22 से 2025-26 की अवधि के दौरान केंद्र के विभाज्य कर पूल का 41 प्रतिशत दिया जाएगा। यह 14वें वित्त आयोग द्वारा की गई अनुशंसा के ही स्तर पर है। आयोग के अनुसार, 5 साल की अवधि के लिये सकल कर राजस्व (जीटीआर) 135.2 लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। उसमें से, विभाज्य पूल का अनुमान 103 लाख करोड़ रुपए है। विभाज्य पूल में राज्यों का अनुमानित हिस्सा 2021-26 अवधि के लिए 42.2 लाख करोड़ रुपए है। 15वें वित्त आयोग की रिपोर्ट दो फरवरी को संसद में पेश की गई थी। सिंह ने कहा कि प्रत्येक वित्त आयोग ने विभाजन पूल के प्रतिशत के रूप में राज्यों के हिस्से की कुल राशि में कुछ वृद्धि की है। उन्होंने कहा, ''हमारे पास इस चलन को जारी रखने का एक विकल्प था, हमारे पास इस विचलन को कुछ हद तक बढ़ाने का एक विकल्प था। हमारे पास केंद्र सरकार की वित्तीय स्थिति में संकुचन को देखते हुए इस हिस्से में कुछ कमी करने का भी विकल्प था।

# तोमर ने कृषि क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया

**नई दिल्ली:**

केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कृषि क्षेत्र में निजी निवेश बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया है और उद्यमियों से खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने की अपील की है। एक सरकारी बयान के अनुसार कृषि मंत्री शुक्रवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से एसोचैम और इन्वेस्ट इंडिया के साथ साझेदारी में खाद्य प्रसंस्करण मंत्रालय द्वारा आयोजित %मध्य प्रदेश में कृषि और खाद्य प्रसंस्करण अवसर% पर एक सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे। तोमर खाद्य प्रसंस्करण मंत्री भी हैं। उन्होंने उद्यमियों को देश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया और उन्हें आश्वासन दिया कि सरकार हर संभव सहायता प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि सरकार खाद्य प्रसंस्करण परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी दे रही है। बयान में कहा गया, ÷केंद्रीय मंत्री ने खेती के क्षेत्र में निजी निवेश और नवीनतम तकनीक लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।÷ तोमर ने कहा कि सरकार छोटे किसानों की आय बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। मंत्री ने कहा कि देश में 86 प्रतिशत किसान छोटे किसान हैं। उन्होंने कहा कि गांवों की आत्मनिर्भरता और कृषि क्षेत्र के विकास की कल्पना उनके सशक्तिकरण के बिना नहीं की जा सकती। तोमर ने कहा कि केंद्र सरकार प्रयास है कि छोटे और मझोले किसान भी महंगी फसलों की खेती कर सकें और वैश्विक गुणवत्ता मानकों की फसलों का उत्पादन करने के लिए कृषि-प्रौद्योगिकी का लाभ प्राप्त कर सकें।

उन्होंने कहा कि आत्मानिभर भारत पैकेज के तहत, कृषि आधारभूत ढांचे के लिए एक लाख करोड़ रुपए का आवंटन किया गया है जो गाँवों में शीत भंडारगृह और गोदामों जैसी बुनियादी सुविधाओं को लाने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार देश में 10,000 किसान उत्पादक संगठनों (एफपीओ) की स्थापना कर रही है, जिसका अनुमानित खर्च 6,880 करोड़ रुपए है। एफपीओ में शामिल होने से किसानों को कम लागत, बेहतर बाजार और एकीकृत सिंचाई सुविधा का लाभ मिल सकता है। एफपीओ को ऋण के लिए ब्याज में तीन प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

# अब 50 रुपए सस्ता मिलेगा LPG सिलेंडर! इंडियन ऑयल ने बताया तरीका

**बिजनेस डेस्क:**

एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतें पिछले कुछ महीनों में लगातार बढ़ी हैं। फरवरी के महीने में ही गैस की कीमत तीन बार में 100 रुपए बढ़ी है। वहीं मार्च की शुरुआत में भी गैस सिलेंडर की कीमत में 25 रुपए की बढ़ोतरी हुई यानी फरवरी से अब तक गैस सिलेंडर 125 रुपए महंगा हो चुका है। अभी दिल्ली में गैस सिलेंडर 819 रुपए का मिल रहा है। ऐसे में आपको गैस सिलेंडर इससे सस्ती कीमत पर तो नहीं मिल सकता है लेकिन एक ऐसा तरीका है, जिससे आपको गैस सिलेंडर 50 रुपए सस्ते में मिल सकता है। इस तरीके के बारे में खुद इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन ने बताया है।

**कैसे मिलेगा आपको फायदा**

IOC के मुताबिक, अगर आप इंडियन ऑयल का LPG सिलेंडर यानी कि Indane बुक करते हैं, तो इस पर आपको फ्लैट 50 रुपए का फायदा हो सकता है। इसके लिए केवल LPG सिलेंडर की बुकिंग और पेमेंट बुकिंग अमेजन पे से करना होगा। ऐसा करते ही आपको 50 रुपए का कैशबैक मिलेगा।

**बुकिंग और पेमेंट की प्रक्रिया**

इसके लिए आपको अमेजन ऐप के पेमेंट ऑप्शन में जाना होगा। इसके बाद अपने गैस सर्विस प्रोवाइडर को चुनें और यहां अपना रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर या एलपीजी नंबर डालें। आपको अमेजन पे के जरिए पेमेंट करना होगा। अमेजन पे से कैशबैक लेने के लिए 1 मार्च से 1 अप्रैल 2021 के बीच आपको सिलेंडर की बुकिंग करनी होगी। बता दें कि ऑफर सिर्फ पहली बार गैस सिलेंडर की पेमेंट के लिए है। 50 रुपए का कैशबैक तभी मिलेगा जब आप अमेजन पे यूपीआई के जरिए भुगतान करेंगे। भुगतान के तीन दिन में 50 रुपए का कैशबैक आपके अमेजन पे वॉलेट में आ जाएगा।

**अब इस नंबर से कराएं सिलेंडर की बुकिंग**

इंडियन ऑयल ने बताया कि पहले रसोई गैस बुकिंग के लिए देश के अलग-अलग सर्किल के लिए अलग-अलग मोबाइल नंबर होते थे। अब देश की सबसे बड़ी पेट्रोलियम कंपनी ने सभी सर्किल के लिए एक ही नंबर जारी किया है, इसका मतलब है कि अब इंडेन गैस के देश भर के ग्राहकों को एलपीजी सिलेंडर बुक कराने के लिए 7718955555 पर कॉल या एसएमएस भेजना होगा।

## कोटक महिंद्रा बैंक ने कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी को अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया

**मुंबई:** निजी क्षेत्र के कोटक महिंद्रा बैंक ने कृषि अर्थशास्त्री अशोक गुलाटी को अपने निदेशक मंडल में अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया है। गुलाटी हालिया कृषि कानूनों के प्रबल समर्थक हैं। उच्चतम न्यायालय द्वारा नियुक्त चार सदस्यीय समिति में भी गुलाटी शामिल हैं। बैंक ने शुक्रवार को आधिकारिक बयान में कहा कि गुलाटी का कार्यकाल शनिवार से शुरू होगा। उनका कार्यकाल पांच साल का होगा। कोटक महिंद्रा बैंक के गैर-कार्यकारी चेयरमैन प्रकाश आप्टे ने कहा, ''राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कृषि क्षेत्र पर उनके दृष्टिकोण तथा शोधकर्ता तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर लेखक के उनके अनुभव से हमारे बैंक को काफी फायदा होगा।

# केन्द्र सरकार को महंगाई पर काबू पाने के लिए समय रहते कदम उठाने चाहिए: गहलोत

**जयपुर:**

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शुक्रवार को कहा कि केन्द्र सरकार को महंगाई पर काबू पाने के लिए समय रहते कदम उठाने चाहिए वरना लोगों में असंतोष पैदा होगा जो देश हित में नहीं है। गहलोत ने कांग्रेस द्वारा चलाई गई ''स्पीक अप अगेंस्ट प्राइस राइज मुहिम'' में युवाओं के हिस्सा लेने की प्रशंसा करते हुए कहा, ''कम्पेन (अभियान) आज दिनभर बहुत शानदार चला, लाखों नौजवानों ने इसमें भाग लिया। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरने के बावजूद देश में ईंधन की कीमतों में वृद्धि हो रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के चलते लोगों की नौकरियां चली गई है और व्यवसाय बंद हो गए हैं और ऐसी स्थिति में ईंधन की कीमतों में वृद्धि से खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दामों में बढोत्तरी होगी और महंगाई बढेगी। उन्होंने कहा कि केन्द्र ने 20 लाख करोड़ रुपए के पैकेज की घोषणा की जिसका सभी ने स्वागत किया, लेकिन बाद में यह पता चला कि पैसा ना तो राज्यों को मिला और नाहीं उद्योगों और व्यासायों को। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडरों पर मिलने वाली राहत भी रोक दी गई है, हालांकि शायद इसकी अधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। राजस्थान सरकार ने लोगों को राहत पहुंचाने के लिए वैट में दो प्रतिशत की कमी की जिससे राज्य को 1000 करोड़ रुपए के राजस्व का नुकसान हुआ लेकिन ईंधन की कीमत लगातार बढ रही हैं।

## मोटर वाहनों में अब बढ़ेगी सुरक्षा, सरकार ने यह किया जरूरी

**नई दिल्ली:**

मोटर वाहनों में जब दुर्घटना होती है तो सबसे ज्यादा खतरा आगे की सीटों पर बैठे लोगों को ही होता है। यदि मोटर वाहनों की आमने सामने की टक्कर हो तो अगली सीटों पर बैठे लोगों की जान पर बन आती है। इस स्थिति को टालने के लिए सरकार ने अब मोटर वाहनों में अगली सीट पर एयरबैग को अनिवार्य कर दिया है। यह प्रावधान एक अप्रैल 2021 या इससे बाद बने वाहनों पर लागू होगा। अब सरकार ने वाहनों की आगे की सीट के यात्रियों के लिए एयरबैग को अनिवार्य कर दिया है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि एयरबैग के अनिवार्य प्रावधान के संबंध में गजट अधिसूचना जारी कर दी गई है। मंत्रालय से जारी बयान में कहा गया है, ''वाहनों में आगे ड्राइवर की सीट के साथ बैठने वाले यात्रियों के लिए एयरबैग को अनिवार्य करने के संबंध में गजट अधिसूचना जारी कर दी गई है। यह एक महत्वपूर्ण सुरक्षा उपाय है। उच्चतम न्यायालय की सड़क सुरक्षा पर समिति ने इसके बारे में सुझाव दिया था।''

**कब से होगा लागू**

मंत्रालय ने कहा कि अप्रैल, 2021 के पहले दिन या उसके बाद बने वाहनों में आगे की सीट के लिए एयरबैग जरूरी होगा। वहीं पुराने वाहनों के संदर्भ में 31 अगस्त, 2021 से मौजूदा मॉडलों में आगे की ड्राइवर की सीट के साथ एयरबैग लगाना अनिवार्य होगा। इस कदम से दुर्घटना की स्थिति में यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सकेगी।

## भारत की अपील को OPEC ने किया दरकिनार, सऊदी अरब ने दी स्टॉक में रखे सस्ते तेल के इस्तेमाल की सलाह

**नई दिल्ली।**

पेट्रोलियम निर्यातक देशों के संगठन (ओपेक) और उसके सहयोगी देशों के जरिए उत्पादन पर लागू नियंत्रण को उठाने की भारत की अपील को अनुसुना कर दिया गया। वहीं इसके बाद अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम में बढ़ोतरी देखने को मिली है। सऊदी अरब ने भारत से कहा है कि वह पिछले साल जब कच्चे तेल के दाम काफी नीचे चले गए थे, उस समय खरीदे गए कच्चे तेल का इस्तेमाल कर सकता है। कच्चे तेल का सबसे ज्यादा उपयोग में आने वाले ब्रेंट कच्चे तेल का भाव शुक्रवार को करीब एक प्रतिशत बढ़कर 67.44 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। ओपेक और उसके सहयोगी देशों, जिन्हें ओपेक प्लस के नाम से जाना जाता है, ने अपनी बैठक में इस बात पर सहमति जताई है कि अप्रैल में कच्चे तेल का उत्पादन नहीं बढ़ाया जाना चाहिए। इन देशों का मानना है कि मांग में और मजबूत सुधार आने देने की प्रतीक्षा करनी चाहिए।

**ये की थी अपील**

दरअसल, पेट्रोलियम मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने ओपेक देशों से अपील की थी कि कच्चे तेल के दाम में स्थिरता लाने के लिये वह उत्पादन पर लागू बंदिशों को कम करें। उनका मानना था कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में बढ़ते कच्चे तेल के दाम से आर्थिक क्षेत्र में आने वाला सुधार और मांग दोनों पर बुरा असर पड़ रहा है। ओपेक देशों की बैठक के बाद भारत के आग्रह के बारे में पूछे गए सवाल पर सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री प्रिंस अब्दुलाजीज बिन सलमान ने कहा कि भारत को पिछले साल काफी कम दाम पर खरीदे गए कच्चे तेल के भंडार में से कुछ तेल का इस्तेमाल कर लेना चाहिए।

**भारत ने किया था भंडारण**

भारत ने पिछले साल जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम काफी कम दाम पर चल रहे थे, अपने रणनीतिक भंडारों को भरने के लिए एक करोड़ 67 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद की थी।

उस कच्चे तेल का औसत मूल्य 19 डॉलर प्रति बैरल पड़ा था। प्रधान ने 21 सितंबर 2020 को राज्यसभा में एक सवाल के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी थी। बहरहाल, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम बढ़ने के बाद देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें ऐतिहासिक ऊंचाई पर पहुंच चुकी हैं। तेल कंपनियों ने अगर कच्चे तेल के दाम में आई ताजा वृद्धि को भी ग्राहकों पर डाल दिया तो इनकी खुदरा कीमतें और बढ़ जाएंगी।

## हायर इंडिया ने सेल्फ क्लीन टेक्नॉलॉजी के साथ सभी मौसमों के लिए नया एनर्जी एफिशियंट क्लीनकूल एसी प्रस्तुत किया

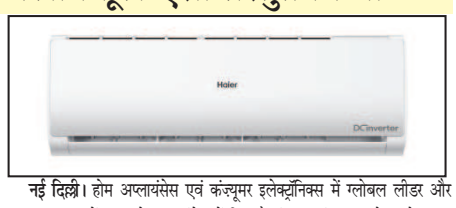

**नई दिल्ली।** होम अप्लायंसेस एवं कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स में ग्लोबल लीडर और लगातार 12 सालों तक बड़े अप्लायंसेस में विश्व के नंबर 1 ब्रांड, हायर ने अपने ग्राहक द्वारा प्रेरित अभिनव उत्पाद पोर्टफोलियो का विस्तार करते हुए सेल्फ क्लीन टेक्नॉलॉजी के साथ क्रांतिकारी क्लीनकूल ऑल सीजन हॉट एंड कोल्ड एयर कंडीशनर प्रस्तुत किया है, जो ग्राहकों की सुविधा को नए आयाम पर ले जाएगा। नया लॉन्च किया गया हॉट एवं कोल्ड 3-स्टार एसी 1.5 टन की कूलिंग क्षमता में उपलब्ध है और यह ट्रिपल इन्वर्टर प्लस टेक्नॉलॉजी के साथ आता है, जो तापमान को स्वत: एडजस्ट करके बिजली में 65 प्रतिशत की बचत करती है। पारंपरिक इन्वर्टर टेक्नॉलॉजी की तुलना में हायर ट्रिपल इन्वर्टर प्लस अपेक्षित तापमान तक बहुत तेजी से पहुंच जाता है और डीसी वोल्टेज को एडजस्ट कर आदर्श वोल्टेज कंट्रोल के साथ 140 वोल्ट से 264 वोल्ट के बीच स्थिर ऑपरेशन प्रदान करता है। दूरदराज के इलाकों में ग्राहक वोल्टेज में उतार-चढ़ाव के बावजूद ठंडी हवा का आनंद ले सकते हैं। यह टेक्नॉलॉजी एयर कंडीशनर का स्मार्ट कंट्रोल प्राप्त करने में मदद करती है, और, आराम एवं विश्वसनीयता को बढ़ाकर अत्यधिक कुशल प्रदर्शन सुनिश्चित करती है।

हायर की सेल्फ क्लीन टेक्नॉलॉजी के साथ ग्राहकों को एक बटन दबाते ही संपूर्ण इनडोर वेट वॉश मिलता है। सेल्फ क्लीन फीचर एक्टिवेट करने के बाद एसी के एवापोरेटर पर फ्रॉस्ट जम जाता है, जो क्वाईल पर मौजूद धूल को चिपका लेता है। कुछ समय के बाद यह फ्रॉस्ट पिघल जाता है और अपने साथ पानी के रूप में पूरी धूल को साफ करके ड्रेन पाईप से बाहर फेंक देता है। इसके द्वारा आपको वास्तविक इनडोर वेट वॉश एवं स्वच्छ व सेहतमंद हवा मिलती है। हायर के अभिनव होम अप्लायंसेस की श्रृंखला में इस नए उत्पाद में एक नई खूबी है, जो अत्यधिक तापमान में भी प्रभावशाली कूलिंग सुनिश्चित करती है। खास डिज़ाईन और बेहतर कन्फॉर्मल कोटिंग, एसी के कंपोनेंट्स की आयु कम करने वाले विभिन्न तत्वों से इसे सुरक्षा देते हैं और यूज़र्स को 60 डिग्री तक के ऊँचे तापमान पर भी ठंडक प्राप्त होती है।

## मेरा आत्मविश्वास काफी ऊंचा था : अक्षर पटेल

**अहमदाबाद।** लेफ्ट आर्म स्पिनर अक्षर पटेल ने शनिवार को कहा कि यह उनका आत्मविश्वास ही था, जिसकी बदौलत वह इंग्लैंड के खिलाफ चौथे और अंतिम टेस्ट में नौ विकेट लेने में सफल रहे। अक्षर पटेल (5/48) और ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन (5/47) के शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय क्रिकेट टीम ने यहां नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खेले गए चौथे और अंतिम टेस्ट मैच के तीसरे दिन शनिवार को इंग्लैंड को पारी और 25 रनों से हराकर चार टेस्ट मैचों की सीरीज 3-1 के अंतर से जीतकर विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में जगह बना ली है। अपनी पहली सीरीज खेलने वाले पटेल ने चार मैचों की टेस्ट सीरीज में 27 विकेट लिए। पटेल ने मैच के बाद कहा, मुझे लगता है कि आत्मविश्वास से मुझे काफी मदद मिली। मैंने पहले मैच में विकेट हासिल की और उस आत्मविश्वास को बनाए रखा। मैंने केवल पिछले मैचों में अधिक तेज गेंदबाजी की, लेकिन यहां हमें अपनी गति को अलग रखने की जरूरत थी। उन्होंने वाशिंगटन सुंदर के साथ अपनी साझेदारी को लेकर कहा, जब मैं रन आउट होने के बाद (ड्रेसिंग रूम में वापस आया), मेरे पास इतना समय नहीं था कि हम सुंदर से बात कर सकें क्योंकि हम आआउट हो गए थे। पटेल ने 43 और सुंदर ने 96 रनों की नाबाद पारी खेली। सुंदर ने कहा कि वह अपने शतक चूकने से निराश नहीं है।

# हमारी बेंच स्ट्रेंग्थ काफी मजबूत, बदलाव के दौर में मदद मिलेगी: कोहली

**अहमदाबाद,**

भारतीय क्रिकेट टीम की प्रतिभावान और मजबूत बेंच स्ट्रेंथ से कप्तान विराट कोहली इस बात को लेकर काफी आश्वस्त है कि अगले कुछ वर्षों में जब टीम बदलाव के दौर से गुजरेगी तो उसके लिए परिस्थितियां ज्यादा मुश्किल नहीं होगी। वाशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज और ऋषभ पंत जैसे कई युवा खिलाड़ियों के उदय से भारत ने देश और विदेश दोनों जगहों पर शानदार प्रदर्शन किया है। भारतीय टीम ने शनिवार को इंग्लैंड को चौथे और अंतिम टेस्ट में पारी और 25 रन से करारी शिकस्त देते हुए श्रृंखला 3-1 से अपने नाम की। श्रृंखला का यह नतीजा तब आया जब टीम पहले टेस्ट में बुरी तरह 227 रन से हार गयी थी। कोहली ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में कहा, '' चेन्नई (दूसरे टेस्ट) में वापसी ने मुझे सबसे अधिक प्रसन्न किया। पहले टेस्ट में हम अच्छा नहीं खेले और इंग्लैंड ने हमें पछाड़ दिया। उस मैच में टॉस ने अहम भूमिका निभाई और गेंदबाज अपना दमखम नहीं दिखा सके। इसके बाद हम अधिक लगन के साथ मैदान पर उतरे और बेहतर गेंदबाजी की। ऐसे में यह वापसी बेहद शानदार रही।'' कोहली ने कहा, '' हमारी बेंच स्ट्रेंथ बेहद मजबूत है और यह भारतीय क्रिकेट के लिए अच्छा संकेत है। जब टीम में बदलाव का दौर आयेगा तो इसके प्रदर्शन के स्तर में गिरावट नहीं होगी। इस मैच में ऋषभ और वाशी (सुंदर) की साझेदारी ने निर्णायक मोड़ में पहुंचाया।'' दूसरे और तीसरे टेस्ट में जीत हासिल करने के बाद, भारत ने चौथे टेस्ट मैच को भी तीन दिनों के भीतर जीता। कोहली ने कहा, ''हमें चेन्नई में पहले मैच के बाद अपनी भाव-भंगिमा (बॉडी लैंग्वेज) को सही किया। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में हर टीम बेहतरीन है और घरेलू मैदान पर भी उन्हें हराने के लिए हमें कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। लय और पैनापन को को जारी रखना सबसे महत्वपूर्ण है और यही हमारी टीम की पहचान है।'' सलामी बल्लेबाल रोहित शर्मा ने दूसरे टेस्ट की पहली पारी में 161 रन बनाए और कप्तान ने कहा कि इस शतकीय पारी और अश्विन के 32 विकेट ने श्रृंखला के रूख को बदल दिया। उन्होंने कहा, '' चेन्नई (दूसरे टेस्ट) में रोहित की पारी ने श्रृंखला का रूख बदल दिया और अश्विन पिछले कुछ वर्षों से हमारे सबसे भरोसेमंद खिलाड़ी रहे है। इस श्रृंखला में ये दोनों हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी रहे। अश्विन ने इस श्रृंखला में 32 विकेट लेने के साथ शतकीय पारी भी खेली। वह मैन ऑफ द सीरिज बनने के साथ टीम के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) के फाइनल में पहुंचने को लेकर काफी उत्साहित दिखे।

# खेल मंत्रालय को एथलीटों के लिए कोविड वैक्सीन पर फैसले का इंतजार

**नई दिल्ली।**

केंद्रीय खेल मंत्री किरण रिजिजू ने शनिवार को कहा कि खेल मंत्रालय को ओलंपिक खेलों में भाग लेने वाले एथलीटों के लिए स्वास्थ्य मंत्रालय से कोविड-19 वैक्सीन पर जल्द ही फैसला लिए जाने की उम्मीद है। रिजिजू ने कहा, यह संवेदनशील मुद्दा है और हम एक योजना पर काम करने की प्रक्रिया में हैं। ओलंपिक के लिए राष्ट्रीय शिविर में एलीट एथलीटों का स्वास्थ्य हमारी प्राथमिकता है, लेकिन हमें स्वास्थ्य विभाग के प्रोटोकॉल का पालन करना होगा। रविवार को होने वाले नई दिल्ली मैराथन से पहले आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान उन्होंने कहा, लेकिन एक ही समय में हम नहीं चाहते हैं कि कोई ओलंपिक-एथलीट इस संक्रामक वायरस की चपेट में आए, जिससे कि उसकी तैयारियों पर असर पड़े। इससे पहले फरवरी में, भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) के महासचिव राजीव मेहता ने स्वास्थ्य मंत्रालय को कोविड-19 टीके की आवश्यकता पर विचार करने को कहा था।

खेल मंत्री ने कहा, ओलंपिक योग्यता हासिल करने वाले सभी कोचिंग स्टाफ और एथलीटों की संख्या कम हो सकती है, लेकिन यह सब स्वास्थ्य मंत्रालय पर निर्भर करता है।

## रोड टू मेल्टवाटर शतरंज - प्रग्गानंधा अर्जुन से हारकर बाहर

**नई दिल्ली ( निकलेश जैन )** चैम्पियन चैस टूर के इंडियन ओपन मे जगह बनाने के लिए भारत के युवा ग्रांड मास्टरों के बीच रोड टू मेल्टवाटर शतरंज के सेमी फाइनल के चार नाम तय हो गए है । क्वाटर फाइनल मुकाबले मे सबसे बड़ा उलटफेर रहा टॉप सीड प्रग्गानंधा का बाहर होना उन्हे अर्जुन एरिगासी नें 1.5-0.5 पराजित कर दिया । दूसरे क्वाटर फाइनल मे आरोण्यक घोष नें हर्षा भारतकोटी को 1.5-0.5 से मात देते हुए सेमी फाइनल मे प्रवेश कर लिया है । अन्य दो मुकाबलों मे एसएल नारायनन नें विसाख एनआर को 2-1 से तो डी गुकेश नें मित्रभा गुहा को 1.5-0.5 के अंतर से पराजित करते हुए अगले दौर मे जगह बनाई । अब सेमी फाइनल मे एसएल नारायनन डी गुकेश से तो अर्जुन एरिगासी आरोण्यक घोष से मुकाबला खेलेंगे ।

# बोक्साम इंटरनेशनल मुक्केबाजी : मैरीकॉम सेमीफाइनल में हारीं, कांस्य पदक से संतोष

**नई दिल्ली ।**

छह बार की विश्व चैम्पियन एम सी मैरीकॉम (51 किग्रा) को शुक्रवार को कड़े सेमीफाइनल में अमेरिका की वर्जिनिया फुएस से हारने के बाद स्पेन के कास्टेलोन में चल रहे 35वें बोक्साम इंटरनेशनल मुक्केबाजी टूर्नामेंट में कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। ओलंपिक के लिये क्वालीफाई कर चुकी 37 साल की स्टार मुक्केबाज को विभाजित फैसले में हार मिली। शुरूआती तीन मिनट में दोनों मुक्केबाज एक दूसरे के हमले का इंतजार करती रहीं लेकिन दूसरे राउंड में भारतीय मुक्केबाज काफी आक्रामक हो गईं। तीसरा राउंड और अधिक आक्रामकता भरा रहा जिसमें दोनों मुक्केबाजों ने एक दूसरे को कई मुक्के मारे लेकिन जजों ने फैसला अमेरिकी मुक्केबाज के पक्ष में कर दिया जबकि मुकाबले में उनके ज्यादातर मुक्के निशाने पर अच्छी तरह लगते हुए नहीं दिख रहे थे। इससे पहले ओलंपिक में जगह बना चुके सतीश कुमार (91 किग्रा से अधिक) और आशीष कुमार (75 किग्रा) के साथ सुमित सांगवान (81 किग्रा) ने प्रभावशाली जीत दर्ज करके सेमीफाइनल में जगह बना ली है। सुपर हैवीवेट वर्ग में ओलंपिक के लिये क्वालीफाई करने वाले देश के पहले मुक्केबाज सतीश ने गुरुवार को क्वार्टर फाइनल में डेनमार्क के गिवसकोव नीलसन को 5-0 से शिकस्त दी। आशीष ने इटली के रेमो सालवटी को 4-1 से हराकर पदक दौर में प्रवेश किया। सुमित सांगवान ने बेल्जियम के मोहोर अल जियाद को 4-1 से मात दी। इस प्रतियोगिता में रूस, अमेरिका, इटली और कजाखस्तान सहित 17 देशों के मुक्केबाज भाग ले रहे हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### यूडब्ल्यूडब्ल्यू रैंकिंग सीरीज : पहलवान सरिता को 57 किग्रा में मिला रजत

**एशियाई** चैम्पियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता सरिता मोर को यहां जारी वर्ल्ड रैंकिंग सीरीज (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) कुश्ती प्रतियोगिता में महिलाओं के 57 किग्रा के फाइनल में हारकर रजत पदक से संतोष करना पड़ा। 25 साल की सरिता को फाइनल में ब्राजील की गिउलिया रोड्रिगेज से 2-4 से हार झेलनी पड़ी। अंशु को 57 किग्रा के सेमीफाइनल में रांसेस्का इंडेलिकाटो से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा।सात बार की नेशनल चैंपियन सरिता ने पिछले साल दिल्ली में एशियाई चैंपियनशिप में 59 किग्रा में स्वर्ण पदक जीता था।पुरुष वर्ग में कुलदीप मलिक को 72 किग्रा के ग्रीको रोमन वर्ग में रूस के चिंगीज लाबाजेनोव से 0-10 से हारकर कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। 130 किग्रा वर्ग के ग्रीको रोमन के सेमीफाइनल में भी चेक गणराज्य के स्टीपन डेविड ने नवीन को हरा दिया और नवीन को कांस्य पदक मिला। 63 किग्रा में नीरज ने अमेरिका के सैमुअल जोंस को 6-4 से हराया और कांस्य पदक अपने नाम किया। ओवरआल भारतीय ग्रीको रोमन टीम 82 अंकों के साथ पांचवें नंबर पर रही। रूस ने 175 अंकों के साथ टॉप किया।

### विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में पहुंचना सबसे महत्वपूर्ण: अश्विन

**अहमदाबाद ।** इंग्लैंड के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट श्रृंखला में ऐतिहासिक जीत के हीरो और मैन ऑफ द सीरीज रहे स्टार ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा कि यह सच है कि हमारे लिए विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए क्वालीफाई करना बहुत महत्वपूर्ण था। अश्विन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया में ऑस्ट्रेलिया को हराकर शिखर पर पहुंचना फिर भी इतना मुश्किल नहीं था, लेकिन विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल की बात करें तो इसमें होना कोई मजाक नहीं है। यह हमारे लिए बहुत मायने रखता है, क्योंकि यह विश्व कप के जितना ही अच्छा है। ऑस्ट्रेलिया में अधिक होने के बावजूद चेन्नई में पहले टेस्ट में ऊर्जा कम थी। हर बार श्रृंखला में एक चुनौतीपूर्ण समय आया और हमारे किसी न किसी खिलाड़ी न ऐसे मुश्किल समय में अपने बलबूते पर टीम को उभारा, जिसकी वजह से हम यह श्रृंखला जीते। पिछले चार महीने काफी उतार-चढ़ाव वाले रहे। मुझे नहीं लगा था कि मैं चेन्नई में शतक बनाऊंगा, मैं फ्लो के साथ गया, क्योंकि बल्ले से मेरा फॉर्म शानदार नहीं था। अश्विन ने कहा कि मुझे यह भी नहीं लगा था कि मैं ऑस्ट्रेलिया में एकादश में रहूंगा, लेकिन कई खिलाड़ियों, खासतौर रविंद्र जडेजा के चोटिल होने के बाद मुझ पर और अधिक जिम्मेदारी थी और मैं ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के खिलाफ अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हूं। हताश और संतुष्ट रहना बुरा है, लेकिन मेरे लिए खुश रहना महत्वपूर्ण है और मैं अपनी तकनीक पर भरोसा जताया और बल्लेबाजों की कमजोरियों पर काम किया। अश्विन ने कहा कि मुझे खुशी है कि यह मेरे लिए अच्छा साबित हुआ। मैं ऋषभ पंत को सफल देखकर बहुत खुश हूं। उनकी तुलना लेजेंड से न करना अनुचित होगा। जिस तरह से उन्होंने बल्लेबाजी की और इस श्रृंखला में अपने फॉर्म बरकरार रखा वह उत्कृष्ट है।

# सीरीज गंवाने के बाद जो रूट ने कहा- हम मौके का फायदा नहीं उठा सके

**अहमदाबाद ।**

इंग्लैंड के कप्तान जो रूट ने शनिवार को भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट मैच और श्रृंखला को गंवाने के बाद कहा कि उनकी टीम के पास मैच पर पकड़ बनाने का मौका था लेकिन वे इसे भुनाने में नाकाम रहे। मैच के दूसरे दिन भारत 121 रन पर पांच विकेट गंवा कर संघर्ष कर रहा था लेकिन ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर और अक्षर पटेल की साहसिक पारियों से टीम 160 रन की बढ़त कायम करने में सफल रही। भारत ने शनिवार को तीसरे दिन इंग्लैंड की दूसरी पारी 135 रन पर समेट कर पारी और 25 रन की प्रभावशाली जीत दर्ज की। रूट ने मैच के बाद कहा कि हमारे पास मैच को अपने पक्ष में करने का मौका था लेकिन हम ऐसा करने में नाकाम रहे। भारत इस मामले में पिछले तीन मैचों में हमसे बेहतर रहा और उन्हें इसका श्रेय मिलना चाहिए। श्रृंखला को ऐसे खत्म करना हमारे लिए निराशाजनक रहा है लेकिन हमें एक टीम के रूप में आगे बढ़ना होगा। कप्तान रूट ने कहा हालांकि विकेट-कीपर बेन फॉक्स और बायें हाथ के स्पिनर जैक लीच के प्रदर्शन से काफी प्रभावित दिखे।बेन ने इस श्रृंखला में शानदार विकेट-कीपिंग की, मुझे लगता है कि वह दुनिया का सर्वश्रेष्ठ विकेट-कीपर है, वह अच्छा खिलाड़ी है।

मैं इस दौरे पर जैक के प्रदर्शन से प्रभावित हूं। वह मैच दर मैच बेहतर हो रहे हैं।

## आईपीएल नौ अप्रैल से होगा शुरू: बीसीसीआई सूत्र

**नयी दिल्ली,** इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आगामी सत्र का आगाज इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों की श्रृंखला के खत्म होने के 12 दिनों बाद नौ अप्रैल से होगा। यह जानकारी भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के एक सूत्र ने शनिवार को दी। इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला का तीसरा और आखिरी मैच पुणे में 28 मार्च को खेला जाएगा। इस लोकप्रिय टी20 लीग की अवधि भारत के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम को ध्यान में रखते हुए तय की गयी है। बीसीसीआई के एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा से कहा, '' हमने अनंतिम रूप से निर्णय लिया है कि आईपीएल नौ अप्रैल से शुरू होगा और 30 मई को समाप्त होगा।'' सत्र ने बताया, '' अगले सप्ताह संचालन समिति की बैठक के दौरान तारीखों और स्थानों को औपचारिक मंजूरी मिल जाएगी।'' कोविड-19 महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए बीसीसीआई ने मौजूदा परिस्थितियों में आईपीएल मैचों को पांच शहरों चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, दिल्ली और अहमदाबाद में आयोजित करने का निर्णय लिया है। मुंबई शहर को मैचों की मेजबानी के लिए मंजूरी लेनी होगी क्योंकि महाराष्ट्र में पिछले कुछ दिनों से कोविड-19 के मामले तेजी से बढ़े है। चेन्नई और कोलकाता को मैचों का आवंटन अगले कुछ सप्ताहों में होने वाले विधानसभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए किया जाएगा। आईपीएल के पिछले 2020 सत्र को यूएई में बायो बबल में आयोजित किया गया था जिसे मुंबई इंडियन्स ने जीता था। भारतीय टीम के विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने के कारण इस साल भारत में जून में प्रस्तावित एशिया कप को रद्द कर दिया गया है।

## गुज़ारू प्रदर्शन के बावजूद अर्जेंटीना ओपन में हारे सुमित नागल

**ब्यूनस आयर्स ।** भारत के सुमित नागल दुनिया के 46वें नंबर के खिलाड़ी अलबर्ट रामोस विनोलास से हारकर अर्जेंटीना ओपन के पुरूष एकल क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गए। निर्णायक सेट में 2-5 से पिछड़ने के बावजूद नागल ने हार नहीं मानी। कई अहम मौकों पर गलतियों का हालांकि उन्हें खामियाजा भुगतना पड़ा और वह दो घंटे 26 मिनट तक चले मैच में 6-4, 2-6, 5-7 से हार गए। एटीपी टूर पर क्वालीफायर के तौर पर खेलने के बाद यह उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। इससे उन्हें 45 मुख्य ड्रॉ रैंकिंग अंक मिले और वह विश्व रैंकिंग में 150 से 132वें स्थान पर पहुंच गए। पिछले दौर में उन्होंने दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टियन गारिन को हराया था। नागल ने कहा- इस प्रदर्शन से मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है। हाल ही में मैंने शीर्ष 60 में शामिल कई खिलाडियों के साथ करीबी मुकाबले खेले हैं। मुझे खुशी है कि इस स्तर पर अच्छा खेल पा रहा हूं। उन्होंने कहा कि वह खुद पर शीर्ष 100 में शामिल होने का दबाव नहीं बना रहे हैं। उन्होंने कहा- मैं बस अच्छा खेलते रहना चाहता हूं। शीर्ष 100 में जगह बनाने का कोई दबाव नहीं ले रहा। देखते हैं कि आगे क्या होता है। नागल को यहां 9240 डॉलर ईनामी राशि मिली।

# पीवी सिंधु ने स्विस ओपन के फाइनल में बनाई जगह

**बासेल ।**

ओलंपिक रजत पदक विजेता पी वी सिंधु ने शनिवार को यहां शानदार प्रदर्शन करते हुए डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ट के खिलाफ सीधे गेम में जीत दर्ज की और स्विस ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल फाइनल में जगह बनाई। मौजूदा विश्व चैम्पियन सिंधु ने चौथी वरीयता प्राप्त मिया को 43 मिनट में 22-20 21-10 से शिकस्त दी और जनवरी में योनेक्स थाईलैंड ओपन में दुनिया की 12वें नंबर की खिलाड़ी से पहले दौर में मिली हार का बदला चुकता किया। सिंधु 2019 में यहां विश्व चैम्पियनशिप के बाद पहले फाइनल में पहुंची हैं। पूर्व चैम्पियन किदाम्बी श्रीकांत शुक्रवार को पुरूष एकल सेमीफाइनल में पहुंच गए जबकि सात्विक साइराज रांकिरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी ने भी युगल वर्ग के अंतिम चार में जगह बनाई। दुनिया की दसवें नंबर की जोड़ी सात्विक साइराज और चिराग ने जनवरी में टोयोटा थाईलैंड ओपन में भी सेमीफाइनल में प्रवेश किया था। चौथी वरीयता प्राप्त श्रीकांत ने थाईलैंड के केंटाफोन वांगचारोन को 44 मिनट में 21-19, 21-15 से हराया। वहीं दूसरी वरीयता प्राप्त चिराग और सात्विक ने पांचवीं वरीयता प्राप्त ओंग यू सिन और टियो ई यि को 12-21, 21-19, 21-12 से मात दी। दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी श्रीकांत इससे पहले नवंबर 2019 में हांगकांग सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। अब उनका सामना शीर्ष वरीयता प्राप्त और दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी डेनमार्क के विक्टर एक्सेलसेन से होगा। सात्विक और चिराग छठी वरीयता प्राप्त डेनमार्क के किम एस्ट्रुप और एंडर्स स्कार्प से खेलेंगे।

## मिताली राज ने कहा- विश्व कप की तैयारी का बेहतरीन मौका है मौजूदा सीरीज

**लखनऊ।** दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली पांच मैचों की एक दिवसीय श्रृंखला को अगले साल होने वाले विश्वकप के लिये बेहतर अभ्यास का मौका बताते हुए भारतीय महिला टीम की कप्तान मिताली राज ने शनिवार को कहा कि उनकी टीम मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है। यह सही है कि पिछले एक साल से हम क्रिकेट के मैदान से दूर रहे लेकिन यह कोई मुद्दा नहीं है। यह श्रृंखला विश्वकप की तैयारियों को और पुख्ता करेगी। सीमति ओवरों की इस श्रृंखला में हम सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगे। हमे यहां अभ्यास का पर्याप्त मौका मिला है। टीम के सभी सदस्यों का मनोबल ऊंचा है और कोरोना काल के बाद पहली श्रृंखला को लेकर सभी में गजब का उत्साह है। उन्होने कहा कि यह सही है कि दक्षिण अफ्रीका ने पिछले महीने अपने घर में पाकिस्तान के खिलाफ एक दिवसीय श्रृंखला में क्लीन स्वीप किया था मगर अब वह भारत में है। हमे अपने घरेलू मैदान और दर्शकों का लाभ मिलेगा। इसके बावजूद हम मेहमानो का हल्के में लेने की भूल नहीं करेंगे। उन्हें 'गेम टाइम% मिल चुका है, लेकिन हम एक अंतराल के बाद खेल रहे हैं। इसका मतलब यह नहीं है कि हमने बिलकुल अभ्यास नहीं किया है। मुझे लगता है कि लड़कियां मैदान पर उतरने और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिये काफी उत्सुक हैं क्योंकि यह समय है कि हम विश्व कप के लिए अपना अभियान शुरू करें और कुछ क्रिकेट खेलना शुरू करें। उन्होने कहा कि भले ही विस्फोटक बल्लेबाज शेफाली वर्मा को टीम में शामिल नहीं किया गया हो लेकिन वह निश्चित रूप से हमारी योजना का हिस्सा हैं। मुझे लगता है कि हमें थोड़ा संयम बरतने की जरूरत है और आप उसे बहुत जल्दी देखेंगे।

# सामूहिक आत्महत्या का निर्णय मेरे पिता का था : युवक

**अहमदाबाद ।**

ज्यादा रुपया कमाने की लालच में ज्योतिषियों के चक्कर में आया वडोदरा का सोनी परिवार आज पूरा बिखर गया है । सोना-चांदी के कलश पता लगाने के चक्कर में परिवार ने तीन सदस्यों को गंवाया, बाकी के तीन अस्पताल के बिस्तर पर है । लेकिन सोनी परिवार का यह मामला सभी लोगों के लिए सबक समान है । परिवार बिखरने के बाद आज भाविन सोनी को दुख हो रहा है ।

अस्पताल के बिस्तर पर उपचार ले रहे भाविन ने लोगों को ज्योतिषियों के चक्कर में नहीं फंसने की सलाह दी है । भाविन ने बताया कि, हमारे साथ जो हुआ यह समाज के लिए एक उदाहरण है कोई भी व्यक्ति ठग ज्योतिषी के चक्कर में नहीं पड़े । मेरे पिता ने ज्योतिषी के चक्कर में ३२ लाख गंवाया था । परिवार ने किस तरीके से ज हर पीने का निर्णय लिया इस मामले में भाविन ने कहा कि, सामूहिक आत्महत्या करने का निर्णय मेरे पिता नरेन्द्र सोनी का था । हम सभी ने उनके यह निर्णय का विरोध व्यक्त किया । लेकिन वह नहीं माने थे ।

हमने विरोध किया, लेकिन उनके सामने हमारी कोई भी बात नहीं चली । मेरे बेटे को भी दवाई उन्होंने ही पिलाई थी । २०१८ के वर्ष से हमारे पतन की शुरूआत हुई थी । ज्योतिषियों के चक्कर में आकर हमने हमारा सब कुछ गंवाया । जिसकी वजह से हमारे पास सामूहिक आत्महत्या करने के अलावा दूसरा कोई विकल्प नहीं था । भाविन ने बताया कि, मेरे पिता ठग ज्योतिषियों के चक्कर में आ गये । उन्होंने इस चक्कर में ३२ लाख गंवाया था । इसके साथ ही मेरा बिजनेस भी अच्छा नहीं चल रहा था । परिवार चौतरफा संकट में आ गया था । हमारी वित्तीय स्थिति खराब थी और इसमें पिता ज्योतिषी के चक्कर में आ जाने से कर्जा कई गुना बढ़ गया ।

# सूरत शहर में नए कोरोना वायरस की एंट्री हुई

## कोरोना के केस बढ़ने पर वराछा की कई सोसाइटी सहित के क्षेत्रों को कल-स्टर क्वारंटाइन में रखा गया है

**सूरत ।**

सूरत में कोरोना वायरस के तेजी से फैल रहे यूके स्ट्रेन के केस दर्ज हुए हैं । सूरत शहर में कोरोना के सामान्य केस भी चुनाव के बाद भी बढ़ रहा है ऐसे में पालिका द्वारा विशेष निर्देश जारी किया गया है । बाहर से सूरत आते लोगों के लिए टेस्टिंग कराने की सलाह दी गई है और इसके बाद घर में जाना अत्यावश्यक होने का निर्देश दिया गया है । शहरीजन कोरोना के टीका से वंचित नहीं रहे इसके लिए रात को १० बजे तक निश्चित किए सेंटरों पर टीका देने का निर्णय सूरत मनपा द्वारा लिया गया है । इसके साथ कोरोना का संक्रमण बढ़ने पर बाहर से वापस आते लोगों को पहले कोरोना का टेस्ट कराकर अपने घर में प्रवेश करने की अपील सूरत मनपा द्वारा की गई है। बाहर से आये व्यक्ति की वजह से परिवार के अन्य सदस्य को संक्रमण नहीं लगे इसके लिए शहर में वापस आये लोगों ने पहले प्राथमिकता के आधार पर कोविड परीक्षण केंद्र तथा धनंतरी स्वास्थ्य रथ पर कोविड टेस्ट कराने के बाद अपने घर में प्रवेश करना ऐसी अपील सूरत मनपा द्वारा की गई है ।

१६ जनवरी से कोरोना की वैक्सीन का प्रारंभ किया गया। पहले चरण में फ्रंटलाइनर वर्करों को टीका दिया गया । इसके बाद १ मार्च से ६० वर्ष से ज्यादा उम्र के बुजुर्ग लोग तथा ४५ से ४९ वर्ष के को-मोर्बिड व्यक्ति को टीका दिया जा रहा है । शहरीजन कोरोना के टीका से वंचित नहीं रहे इसके लिए रात को १० बजे तक टीका देने का निर्णय सूरत मनपा द्वारा लिया गया है । सेंट सेंट्रल जोन में कडियावाला अर्बन हेल्थ सेंटर, वराछा जोन इसमें स्मीमेर अस्पताल, वराछा जोन बी में नाना वराछा अर्बन हेल्थ सेंटर, रांदेर जोन में पाल हेल्थ सेंटर, कलारगा जोन में कतारगाम हेल्थ सेंटर, उधना जोन में बमरोली हेल्थ सेंट्रर, अठवा जोन में अलथाण अर्बन हेल्थ सेंटर और लिंबायत जोन में भाठेना अर्बन हेल्थ सेंटर पर रात को १० बजे तक कोरोना का टीका दिया जाएगा ।

# राजकोट में सिर पर पत्थर से वार करके युवक की हत्या

**राजकोट ।**

रंगीला राजकोट फिर एक बार रक्तरंजित बन चुका है । चुनाव पूरा होने पर राजकोट में जैसे कि हत्या का सिलसिला शुरू हुआ हो इस प्रकार से एक बाद एक हत्या की घटना सामने आ रही है। राजकोट शहर में सिर्फ तीन दिन में दो हत्या के मामले सामने आये है। अब हत्या के दोनों मामले में हत्या करने की पद्धति एक समान देखने को मिल रही है। राजकोट के कुवाडवा रोड पर स्थित मेंगो मार्केट के पास पोरबंदर के युवक की हत्या किए जाने की घटना सामने आई है । युवक को सिर पर पत्थर से वार करके इसे मौत के घाट उतार दिया यह सामने आया है। हत्या के मामले की जानकारी मिलने पर बी डीवीजन पुलिस तथा क्राइम ब्रांच का काफिला घटनास्थल पर पहुंच गया । अब पंचनामा की कार्रवाई करके हत्या करके शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। बातचीत में आरएस टंडेल ने बताया कि, पुलिस जांच में मृतक युवक मूल पोरबंदर का निवासी होने का सामने आया है । अब मृतक का नाम मुकेश होने का भी सामने आया है । अब मुकेश की हत्या किसने की तथा क्यों की यह मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दूसरी तरफ पुलिस सूत्रों का माने तो मृतक भूतकाल में पुलिस चोपडे में दर्ज होने का सामने आया है । उल्लेखनीय है कि राजकोट शहर में दो दिन पहले सिविल अस्पताल चौक के पास बन रही ओवरब्रिज की जगह में वीछिया के व्यक्ति की हत्या की गई लाश मिली थी। हालांकि क्राइम ब्रांच ने कुछ ही घंटों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था । पुलिस ने जबकि शव की जांच की तब मृतक युवक का सिर खराब स्थिति में था। इस तरह क्रूर हत्या किसी दुश्मनी में की गई हो ऐसी प्रबल संभावना है।

# सूरत में ३ विद्यार्थी और १ शिक्षक कोरोना पॉजिटिव

**सूरत ।**

शहर में उच्चतर प्राथमिक स्कूल के साथ माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक स्कूलें शुरू होने के साथ ही विद्यार्थियों, शिक्षकों सहित के स्कूल के स्टाफ में कोरोना पॉजिटिव केस देखने को मिल रहा है । यह स्थिति के बीच शुक्रवार को रांदेर की लोकमान्य स्कूल में कक्षा-१२ साइंस के ३ विद्यार्थी और एक शिक्षक का रिपोर्ट पॉजिटिव आया । जिसकी वजह से रांदेर जोन की हेल्थ विभाग की टीम ने कक्षा-१२ साइंस के सभी क्लासरूम बंद कराने के लिए स्कूल संचालकों को नोटिस दी है । इसके अलावा भगवान महावीर कॉलेज में भी कोरोना का एक केस सामने आया है । मोराभागल मोरारजी नगर में लोकमान्य विद्यालय स्कूल में कक्षा-१२ साइंस में पढ़ाई करती एक विद्यार्थिनी को संदिग्ध लक्षण मालूम होने पर जहांगीरपुरा चेक पोस्ट पर कोरोना टेस्टिंग सेंटर पर जाकर रेपिड टेस्ट कराया था । जिसमें विद्यार्थिनी की रिपोर्ट पॉजिटिव आने पर पालिका की टीम ने इसके संपर्क में आये परिवार के सदस्यों तथा विद्यार्थियों-शिक्षकों के टेस्ट किए गए टेस्ट किए । टेस्टिंग के दौरान स्कूल के कक्षा-१२ साइंस के अन्य दो विद्यार्थी के साथ साइंस के एक शिक्षक का रिपोर्ट पॉजिटिव आया । बाद में पॉजिटिव आये तीन में कोरोना वायरस के लक्षण देखने को नहीं मिले । रांदेर जोन के उप हेल्थ अधिकारी डॉ. गरासिया ने बताया कि, इसके साथ कक्षा-१२ साइंस की कक्षाएं १४ दिन तक बंद रखने के लिए सूचना दी गई है । शुक्रवार को रांदेर जोन क्षेत्र में स्थित ८ स्कूलों में ५११ लोगों का टेस्टिंग किया गया । जिसमें एक भी केस सामने नहीं आया है । दूसरी तरफ तरसाडी-कोसंबा में चुनाव ड्यूटी पर गये पांच शिक्षक सहित एक ही स्कूल के ९ शिक्षक कोरोना संक्रमित हुए हैं ।

# अहमदाबाद होकर गुजरने वाली 4 जोड़ी ट्रेनों में जोड़े जाएंगे अतिरिक्त कोच

**अहमदाबाद।** पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद होकर गुजरने वाली 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनों में अस्थाई रूपसे अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे। जिसका विवरण निम्नानुसार है :

1. ट्रेन संख्या 02945 मुंबई सेंट्रल - ओखा स्पेशल में 08 मार्च 2021 से 14 मार्च 2021 तक तथा ट्रेन संख्या 02946 ओखा - मुंबई सेंट्रल स्पेशल में 10 मार्च 2021 से 16 मार्च 2021 तक एक स्लीपर कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा।

2. ट्रेन संख्या 09027 बांद्रा टर्मिनस - जम्मूतवी स्पेशल में 13 मार्च 2021 से तथा ट्रेन संख्या 09028 जम्मूतवी - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल में 15 मार्च 2021 से एक स्लीपर कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा।

3. ट्रेन संख्या 02949 बांद्रा टर्मिनस -दिल्ली सराय रोहिल्ला स्पेशल में 10 मार्च 2021 से तथा ट्रेन संख्या 02950 दिल्ली सराय रोहिल्ला - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल में 11 मार्च 2021 से एक स्लीपर कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा।

4. ट्रेन संख्या 02965 बांद्रा टर्मिनस - भगत की कोठी स्पेशल में 12 मार्च 2021 से तथा ट्रेन संख्या 02966 भगत की कोठी - बांद्रा टर्मिनस स्पेशल में 13 मार्च 2021 से एक स्लीपर कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा।

# महिला दुष्कर्म करने बाद विडियो वायरल करने की धमकी

**सूरत ।**

सूरत के सरथाणा क्षेत्र में रहती रत्नकलाकार की पत्नी की अकेलेपन का लाभ लेकर पड़ोसी युवक ने यह महिला पर दुष्कर्म करके इसका विडियो बनाकर दुष्कर्म किया था । हालांकि युवक के आतंक से विवाहिता दूसरी जगह रहने चली गई फिर भी यह युवक विडियो के नाम पर ब्लैकमेल कर रहे होने को लेकर आखिर में विवाहिता ने यह युवक के विरूद्ध सरथाणा पुलिस में बलात्कार की शिकायत करने पर पुलिस ने यह मामले में अपराध दर्ज करके आगे की जांच शुरू कर दी है । सूरत में महिला अत्याचार की लगातार शिकायत सामने आ रही है, तब और एक महिला ने अपना शारीरिक शोषण होने की शिकायत पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई है । मूल सौराष्ट्र के निवासी सूरत के सरथाणा क्षेत्र में ३३ वर्षीय विवाहिता और एक बेटी-एक बेटे के साथ रहती पति रत्नकलाकार के तौर पर काम करते है । वर्ष २०१६ में उन्होंने एक अपार्टमेंट में पांचवीं मंजिल में अपना फ्लैट खरीदा था । वहां दूसरी मंजिल पर रहता आरोपी अजय नाम के आरोपी के साथ पहचान हो एक-दूसरे के घर पर आना-जाना था । इस दौरान वर्ष २०१८ को दीपावली की छुट्टी में उनके अपार्टमेंट के अधिकतर निवासी वतन गये थे और विवाहिता दोनों बच्चे भी नाना के घर पर गये थे । विवाहिता का पति काम के लिए बाहर गया था तब अजय घर पर आया था और दरवाजा अंदर से

बंद करके दुष्कर्म किया । अजय ने इसका विडियो मोबाइल में बनाकर यह बात किसी को बतायेगी तो विडियो वायरल करूंगा ऐसी धमकी दी थी । विवाहिता के साथ इसने यह विडियो द्वारा ब्लैकमेलिंग करके कई बार दुष्कर्म किया था । हालांकि यह युवक लगातार विवाहिता को ब्लैकमेल करता था अजय नाम का युवक विवाहिता को अक्सर फोन करके विडियो वायरल करने की धमकी देकर शारीरिक संबंध बनाने के लिए दबाव बनाता था । हालांकि, विवाहिता इसे सामने नहीं झुकी थी । इसके आतंक से परेशान होकर और पति को पांचवीं मंजिल पर असुविधा हो रही है यह कहकर घर भी बदल लिया था ।

# दुकान में घुसकर चोर मोबाइल लेकर फरार हुआ

## राजकोट के व्यापारी ग्राहक संभालने में व्यस्त थे तब फकीर के रूप में आया शख्स चोरी करके फरार हुआ

**राजकोट ।**

राजकोट शहर में एक व्यापारी की दुकान से मोबाइल चुराने की चौंकाने वाली घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हुई है । यह विडियो में एक फकीर जैसा दिखाई देता चोर व्यापारी की दुकान के बाहर से काउंटर पर रखा मोबाइल रखकर फरार हो गया । यह शख्स ने मोबाइल की चोरी करने पर वह सीसीटीवी में कैद हो जाने की घटना सामने आई है । इस तरह राजकोट के व्यापारियों के लिए यह सबक समान घटना है । इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार राजकोट के धर्मेन्द्र रोड पर स्थित थैले की दुकान में मोबाइल चोरी की घटना हुई थी । फकीर के रूप में आया चोर व्यापारी से रुपया मांग रहा था । व्यापारी ग्राहकों को संभालने में व्यस्त था । इस दौरान यह शख्स ने व्यापारी का ध्यान नहीं था तब अचानक ही मोबाइल उठाकर और थैली में रख दिया । यह घटना कई व्यापारियों के लिए सबक समान मामला है । यह विडियो राजकोट के मुख्य धर्मेन्द्र रोड क्षेत्र का है । यहां कई व्यापारियों की दुकान

स्थित है । राजकोट की जनता भी धर्मेन्द्र रोड पर भारी मात्रा में खरीदी करते है तब धर्मेन्द्र रोड पर स्थित थैले की दुकान में यह चोरी की घटना हुई थी । यह विडियो देखकर राजकोट के व्यापारियों को ऐसे शख्सों से सावधान रहना होगा । ग्राहकों को संभालने में व्यापारी में व्यस्त था तब उन्होंने बाहर खड़े रहे शख्स पर ध्यान नहीं दिया था । हालांकि, ग्राहकों के जाने पर व्यापारी ने जब अपना मोबाइल ढूंढा तब उनको नहीं मिला । आखिर में उन्होंने दुकान में रखा सीसीटीवी के फूटेज चेक करने पर फकीर की करामत देखने को मिली थी ।

## राज्य के 82 फीसदी नागरिकों को विभिन्न योजनाओं से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति: उप मुख्यमंत्री

**गांधीनगर ।** उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने आज बताया कि राज्य के नागरिकों को शुद्ध पेयजल जलापूर्ति करने के लिए सरकार ने दृढ़ निश्चय और समयबद्ध आयोजन किया है। जिसकी वजह से आज राज्य के 82 फीसदी नागरिकों को विभिन्न योजनाएं के जरिए शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो रहा है। उन्होंने कहा कि नल से जल योजना के तहत राज्य के राजस्व गांवों को शामिल करने के बाद गांवों के खेतों में छुटपुट क्षेत्रों में रहनेवाले लोगों को भी इसका लाभ देने का आयोजन है। शनिवार को विधानसभा में बोरसद तहसील में आंतरिक पेयजल योजना के प्रश्न के जवाब में नितिन पटेल ने कहा कि राज्य की नर्मदा योजना, धरोई योजना, कडाणा योजना जैसी विभिन्न जलापूर्ति योजनाएं और नल से जल योजना के तहत 82 प्रतिशत नागरिकों को शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है। जलापूर्ति मंत्री कुंवरजी बावलिया ने कहा कि बोरसद तहसील में आंतरिक पेयजल योजना के तहत पिछले एक साल में रु. 209.41 लाख खर्च से 40 योजनाएं पूर्ण कर शुद्ध पेयजल की आपूर्ति की जा रही है।

# होमगार्ड ने चालू वाहन में पिचकारी मारने पर भारी विवाद हुआ

## पिचकारी मारने से मेरी कार बिगड़ गई होने का कहा तथा कार की दुर्घटना होते बच गई होने का बताकर नाराजगी व्यक्त की

**राजकोट ।**

राजकोट शहर में फिर एक बार होमगार्ड का जवान विवाद में आया है । चालू वाहन में पिचकारी मारने पर कार चालक के साथ विवाद होने की घटना सामने आई है । पूरे मामले मे ड्यूटी पर मौजूद पुलिस ने मध्यस्थी करने पर मामला शांत होने का सामने आया है । राज कोट शहर पुलिस तथा राजकोट महानगरपालिका द्वारा खुलेआम थूकने वाले के विरूद्ध दंडात्मक कार्रवाई की जाती है । राजकोट शहर के कालावड रोड पर स्थित कोस्मोप्लेक्स सिनेमा से कुछ दूरी पर होमगार्ड के जवानों को चालू वाहन में पिचकारी मारने पर पिचकारी निकट में आ रही कार पर उड़ी थी । यह घटना में होमगार्ड जवान के साथ लोगों का विडियो वायरल हुआ है । हालांकि इस बात को होमगार्ड के जवानों को गंभीरता से नहीं लेने पर वह अपनी मस्ती में आगे निकल गया । दूसरी तरफ कार चालक ने इसका पीछा करके इसने कटारिया चौकड़ी निकट रोक लिया था । अब चालू वाहन में पिचकारी मारने से मेरी कार बिगड़ गई होने का कहा तथा कार की दुर्घटना होते बच गई होने का बताकर नाराजगी व्यक्त की । तब खुलेआम इस प्रकार की बवाल होने पर लोगों की भीड़ लग गई थी । कटारिया चौकड़ी के पास ड्यूटी पर मौजूद रहे कई पुलिस जवान भी पहुंच गये । अब पुलिस जवानों ने मध्यस्थी करने पर आखिर में मामला शांत हुआ । लेकिन होमगार्ड जवान तथा कार चालकों के बीच हुए बवाल का किसी ने विडियो शूट कर लेने से फिलहाल यह सोशल मीडिया में वायरल हुआ है । उल्लेखनीय है कि आगे भी दो जीआरडी जवान विवाद में आ गये । कुछ महीने पहले राजकोट गांधीग्राम-२ (यूनिवर्सिटी) पुलिस ने हनीट्रेप मामले में एक महिला एएसआई की गिरफ्तारी की थी । इस मामले में पुलिस ने पहले दो जीआरडी जवान और एक कपल सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया । सभी लोगों ने मोरबी के फरसाण के व्यापारी को हनीट्रेप में फंसाया था । इस मामले में पुलिस ने बाद में तहसील पुलिस स्टेशन में ड्यूटी करती एएसआई तृषाबहन पटेल नाम की पुलिसकर्मी की गिरफ्तारी की थी ।

# डुप्लीकेट आयुष्यमान कार्ड बनाने के गोरखधंधे का पर्दाफाश

**सूरत ।**

सूरत पुलिस ने नकली आयुष्यमान कार्ड बनाने के गोरखधंधे का पर्दाफाश करते हुए भावनगर के एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया। सूरत के एक वृद्ध को दिल का दौरा पड़ने के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया था और वहां आयुष्यमान कार्ड पेश किया गया। जिसका नंबर सत्यापित करते वक्त आयुष्यमान कार्ड फर्जी निकला। जानकारी के मुताबिक सूरत के कतारगाम क्षेत्र की गजानंद पार्क सोसायटी निवासी खीमजीभाई रामजीभाई मोणपरा को 5 जुलाई 2020 को दिल का दौरा पड़ने के बाद उपचार के लिए उन्हें शहर के महावीर होस्पिटल में दाखिल किया गया था। होस्पिटल में खीमजीभाई के परिवार ने आयुष्यमान कार्ड पेश किया। कार्ड नंबर वेरीफाई किया गया तो आयुष्यमान कार्ड फर्जी निकला। पूछताछ में पता चला कि खीमजीभाई ने अपना और अपने दो बेटों का कार्ड भावनगर के मुकेश मकवाणा नामक शख्स से बनवाए थे। जिसके लिए खीमजीभाई ने प्रति कार्ड ।00 रुपए के हिसाब से 2100 रुपए दिए थे। कार्ड फर्जी होने का खुलासा होने के बाद मुकेश मकवाणा को फोन कर इस बारे में पूछा गया तो उसने कोई सही जवाब नहीं दिया। जिसके बाद खीमजीभाई बेटों ने जिला पंचायत के स्वास्थ्य विभाग में अपने कार्ड की जांच करवाई। जिसमें तीनों कार्ड नकली निकले। बताया जाता है कि 5 मई 2019 को सूरत के कतारगाम क्षेत्र में एक स्नेह मिलन समारोह हुआ था। जिसमें भावनगर का मुकेश डाह्याभाई मकवाणा टैबल लगाया था और लोगों से कहा था कि वह आयुष्यमान कार्ड बनाने का काम करता है। उस वक्त खीमजीभाई का मुकेश से संपर्क हुआ था। जिसके एक महीने बाद मुकेश ने खीमजीभाई को फोन किया और उनका आयुष्यमान कार्ड निकालने के लिए सूरत आया। खीमजीभाई को सूरत के सिंगणपोर क्षेत्र में आधार कार्ड लेकर मुकेश ने बुलाया। खीमजीभाई अपना और अपने बेटों के आधार कार्ड की जिरोक्स कॉपी लेकर पहुंच गए और प्रति कार्ड रु. ।00 के हिसाब से रु. 2100 मुकेश मकवाणा को दे दिए। मुकेश ने तीन डुप्लीकेट आयुष्यमान कार्ड खीमजीभाई को दे दिया। फिलहाल सूरत की चौकबाजार पुलिस ने मुकेश मकवाणा को गिरफ्तार कर इस गोरखधंधे की तह तक पहुंचने के प्रयास तेज कर दिए हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत ( गुजरात ) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ ( गुजरात ) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत ( गुजरात ) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, ( न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा )